RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः04 , शनिवार, 14 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

ममारखा पेक्स अध्यक्ष रंजन सिंह ने ग्रहण की जदयू की सदस्यता 03

महाशिवरात्रि की तैयारियों का जायजा लेने मंदिर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी 04

हाथों में गन, इंटेंस आंखें, यश की टॉक्सिक से तारा सुतारिया का... 07

राहुल गांधी सत्ता पाने को देश का बंटवारा चाहते थे

● बीजेपी का बड़ा आरोप, संसद में जारी है संग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी। शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हरदीप पुरी इस्तीफा दो के

नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है। पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है। दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा। इधर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि वे सत्ता पाने के लिए देश के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे थे। दुबे ने राहुल को टुकड़े-टुकड़े गैंग का सरगना बताया।

विक्रम भट्ट को राहत नहीं, पत्नी जेल से रिहा होगी

● सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 18 को; फिल्म बनाने के लिए 30 करोड़ की धोखाधड़ी

उदयपुर (एजेंसी)। फिल्म बनाने के नाम पर 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में बॉलीवुड डायरेक्टर विक्रम भट्ट की पत्नी श्वेतांभरी भट्ट को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी। वहीं विक्रम भट्ट को राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट में विक्रम भट्ट की ओर से एडवोकेट मुकुल रोहतगी

और परिवादी डॉ. अजय मुर्डिया की ओर से एडवोकेट हर्ष सुराना ने पैरवी की। अब दोनों की नियमित जमानत पर अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। परिवादी डॉ. अजय मुर्डिया के वकील मंजूर हुसैन ने बताया- 31 जनवरी 2026 को राजस्थान हाईकोर्ट ने भट्ट दंपति की जमानत याचिका खारिज की थी। इसके बाद दंपति ने सुप्रीम कोर्ट जाकर नियमित जमानत के लिए स्पेशल लीव पिटिशन दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए आज सुनवाई की।

हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे

● योगी बोले-ऐसे लोगों को यहां रहने का अधिकार नहीं, कान पकड़कर बाहर किया जाए

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानमंडल में बजट सत्र का आज 5वां दिन है। सीएम विधानसभा में बोल रहे हैं। उन्होंने कहा- वंदे मातरम का अपमान कोई नहीं कर सकता। ये हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे। ऐसे लोगों को यहां रहने का अधिकार नहीं है। जो इसका विरोध करता है, उसका कान पकड़कर बाहर करना चाहिए। सीएम ने कहा- आज यूपी में कोई भी तीर्थ स्थल हो, किसी भी धर्म के हो, उसे पौराणिक विषयों से जोड़ा गया। उसे विकसित किया। अर्थ व्यवस्था को मजबूत किया। वहां फूल बेचने वाला ब्राह्मण नहीं होगा, टैक्सी चलाने वाले ब्राह्मण नहीं होगा। ब्राह्मण पुजारी हो सकता है। लेकिन बाकी सब दूसरी जाति के हैं, मतलब हर वर्ग का व्यक्ति फायदा पा रहा है। 9 वर्ष की यह जो यात्रा है, वह सरकार की अपराध-अव्यवस्था से अनुशासन की यात्रा है। उपद्रव से उत्सव की यात्रा है, समस्या से समाधान की यात्रा है। विश्वास से अविश्वास की यात्रा है। यह यात्रा सत्ता प्राप्त करने की होड़ नहीं है, इसे प्राप्त करने के लिए सरकार की

नियत साफ थी। इससे पहले सीएम ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से कहा- आप उचित बात करते हैं, लेकिन पता नहीं क्यों आपके और संजय निषाद के बीच रंजिश चल रही है।

ऐसा लगता है कि आपकी भी पोखरी यानी तालाब का संजय निषाद पट्टा कराकर आ गए हैं। दरअसल, इससे पहले आरक्षण मुद्दे पर माता प्रसाद पांडेय और संजय निषाद के बीच तीखी बहस हो गई थी।

● **महाना भाजपा विधायक पर भड़के, हेडफोन फेंका-** सुबह 11 बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही टोका-टोकी करने से अध्यक्ष सतीश महाना भाजपा विधायक केतकी सिंह पर भड़क गए। उन्होंने कहा- आप बैठिए। सदन चलाना मेरा काम है। गुस्से में उन्होंने हेडफोन निकालकर फेंक दिया। 10 मिनट के लिए सदन स्थगित करके कुर्सी से उठकर चले गए। वापस आए तो कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने कहा- आप मुस्कुराते अच्छे लगते हैं। फिर उन्होंने वित्त मंत्री से महाना को मनाने के लिए शायरी सुनाने की अपील की। तभी सपा के कमाल अख्तर ने शायरी सुनाई- तुम रूठा न करो, सबकी जान चली जाती है। तुम हंसते रहते हो, तो बिजली-सी चमक जाती है। इस पर वित्त मंत्री ने कहा- एक बात सुन लो, महबूबा वाली शायरी यहां न सुनाया करो। इसके

बाद शायरी सुनाई। आज दुनिया को तरकीब बता दी जाए, दुश्मनी प्यार की लहरों में बहा दी जाए। मंत्री बोले- यूपी में आउटसोर्स कर्मचारी नियमित नहीं होंगे विधानसभा में श्रम मंत्री अनिल राजभर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यूपी में आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित (रेगुलर) नहीं किया जा सकता है। उनके साथ मनमानी न हो, इसलिए उनके लिए अलग से निगम बनाया गया है।

● पीएम मोदी ने किया नए पीएमओ का उद्घाटन

मोदी ने बिल्डिंग पर लिखा है-नागरिक देवो भवः

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'सेवा तीर्थ' कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इसमें अब प्रधानमंत्री कार्यालय, नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय काम करेंगे। पीएमओ आज से रायसीना हिल स्थित साउथ ब्लॉक से सेवा तीर्थ में शिफ्ट हो गया है। उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री ने नए कॉम्प्लेक्स में लगी 'सेवा तीर्थ' की पट्टिका का अनावरण किया। परिसर की दीवार पर देवनागरी लिपि में 'सेवा तीर्थ' लिखा है। इसके नीचे 'नागरिक देवो भव' (नागरिक भगवान के समान हैं) का मंत्र भी लिखा गया है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, पीएम ने सेवा तीर्थ से एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके अलावा, वे पुराने पीएम ऑफिस में केंद्रीय कैबिनेट की विशेष बैठक भी की। यह बैठक शुक्रवार शाम 4 बजे तय थी। यह ब्रिटिश काल

की सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग में आखिरी कैबिनेट बैठक थी। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा है। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। 2014 से, मोदी सरकार ने ब्रिटिश शासकों के प्रतीकों से दूर जाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं। सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स में 3 इमारतें हैं।

● **सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स में कुल 3 इमारतें-** सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स में कुल 3 इमारतें हैं- सेवा तीर्थ-1, सेवा तीर्थ-2 और सेवा तीर्थ-3। सेवा तीर्थ-1 में पीएमओ है। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय और सेवा तीर्थ-3 में होम और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का ऑफिस है। ये सभी ऑफिस पहले अलग-अलग जगहों पर थे। कैबिनेट सचिवालय सितंबर 2025 में ही सेवा तीर्थ-2 में शिफ्ट हो चुका है। आज पीएमओ के साथ होम और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का ऑफिस भी यहां शिफ्ट हो गया है। पीएम ने आज कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन किया। यहां मंत्रालयों के नए ऑफिस होंगे। पहले नॉर्थ ब्लॉक मंत्रालयों का ठिकाना था।

तमिलनाडु में 1.31 करोड़ महिलाओं के अकाउंट में 5 हजार ट्रांसफर

● स्टालिन बोले-सत्ता में वापसी पर हर महीने 2000 रुपए देंगे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को बताया कि उनकी सरकार ने कलैगनार महिला अधिकार योजना के तहत राज्य की 1.31 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 5,000 जमा किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि इसमें से 3,000 फरवरी, मार्च और अप्रैल महीने की किस्तों के लिए पहले ही दे दिए गए हैं। इसके अलावा 2,000 समर स्पेशल पैकेज के रूप में दिए गए हैं। यानी कुल मिलाकर हर लाभार्थी महिला को 5,000 मिले हैं। स्टालिन ने कहा कि कुछ लोग चुनाव का हवाला देकर इस योजना की रकम रोकना चाहते थे, लेकिन उनकी सरकार ने पहले ही पैसे भेज दिए

ताकि महिलाओं को कोई परेशानी न हो। उन्होंने वादा किया कि अगर उनकी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम फिर से सत्ता में आती है, तो महिलाओं को मिलने वाली 1,000 की मासिक सहायता बढ़ाकर 2,000 कर दी जाएगी। तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं और चुनाव इस साल के पहले छह महीनों में होने की संभावना है। पिछली बार 2021 में स्टालिन की पार्टी ने बहुमत हासिल किया था। बीजेपी नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने स्टालिन के इस कदम को चुनाव के डर और बुखार से प्रेरित बताया। सुंदरराजन ने कहा कि राज्य सरकार बेवजह केंद्र सरकार पर आरोप लगा रही है। वहीं विजय की रैली में एक शख्स की जान चली गई।

बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत

● 20 साल बाद कब्जा, तारिक का पीएम बनना तय

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की है। बीएनपी ने 299 सीटों में से 209 हासिल कर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया। अब तक 286 सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को अब तक 70 सीटें मिली हैं। जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने ढाका-15 सीट से जीत दर्ज की है। देश में करीब 20

साल बाद बीएनपी की सरकार बनी है। 2008 से 2024 तक वहां शेख हसीना की आवामी लीग सत्ता में थी। इस जीत के साथ पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। तारिक ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की है। वे पिछले साल दिसंबर में 17 साल बाद देश लौटे थे।

● ऑपरेशन सिंदूर में पाक के लिए बन गई थीं काल

भारत रूस से खरीदेगा 288 एस-400 मिसाइलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने रूस से 288 एस-400 मिसाइलों की खरीद को आवश्यक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन मिसाइलों की अनुमानित लागत 10,000 करोड़ है। यह निर्णय मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल की गई मिसाइलों के स्टॉक को फिर से भरने और देश की हवाई रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, डीएसी द्वारा मंजूर की गई लिस्ट में 120 छोटी दूरी वाली और 168 लंबी दूरी वाली मिसाइलें शामिल हैं। इन मिसाइलों की खरीद फास्ट ट्रैक प्रोसीजर के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, भारत को पहले से अनुबंधित दो और एस-400 सिस्टम इसी साल

जून और नवंबर में मिलने वाले हैं। वायुसेना एस-400 के साथ-साथ पैंटसिर छोटी दूरी वाली प्रणाली को खरीदने का प्रस्ताव भी रख रही है, जो ड्रोन और कामिकेज ड्रोन से निपटने में प्रभावी है। एस-400 मिसाइलों का स्टॉक बढ़ाना इसलिए जरूरी समझा गया क्योंकि भारतीय सशस्त्र बलों ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इनका व्यापक उपयोग किया था। इन मिसाइलों ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों, अर्ली वार्निंग एयरक्राफ्ट और सशस्त्र ड्रोन को मार गिराया था। खास बात यह है कि जब भारत ने एस-400 मिसाइल का उपयोग करके पाकिस्तान के पंजाब में 314 किमी की दूरी पर एक बड़े विमान को मार गिराया, तो पाकिस्तान ने अपने लगभग सभी ऑपरेशनल विमानों को अफगानिस्तान और ईरान के पास के हवाई अड्डों पर स्थानांतरित कर दिया था। आदमपुर और भुज सेक्टर में तैनात एस-400 सिस्टम के डर से 9-10 मई को पाकिस्तानी वायुसेना ने कोई कार्रवाई नहीं की। अधिग्रहण प्रक्रिया सख्त निगरानी में हुई।

मुस्लिम परिवार ने 80 लाख की जमीन मंदिर को दी

● निर्माण का खर्च भी उठाएंगे, मोहाली में रजिस्ट्री करवाने शाही इमाम को बुलाया

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब के संगरूर में हिंदू परिवार के मस्जिद के लिए जमीन दान करने के बाद अब मोहाली के झामपुर में एक मुस्लिम परिवार ने 80 लाख रुपए की 325 गज जमीन मंदिर निर्माण के लिए दान दी है।

खास बात यह है कि मंदिर निर्माण का खर्च भी वही परिवार उठाएगा। गुरुवार (12 फरवरी) को शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमान लुधियानवी ने रजिस्ट्री के पेपर मंदिर कमेटी को सौंपे। वहीं हवन यज्ञ के बाद मंदिर के निर्माण का कार्य भी शुरू कर दिया गया।

यहां पर हनुमान जी और सनातन मंदिर बनाया जा रहा है। शाही इमाम ने कहा कि पंजाब की धरती से मिठास का संदेश पूरे भारत के लिए अमृत है। यह एकता की मिसाल है। वहीं जमीन दान देने वाले मोहम्मद इमरान ने कहा कि मेरा सपना अस्पताल खोलने का है, ताकि गरीब लोगों

को इलाज मिल सके।

मंदिर के लिए कोई जगह नहीं थी- शाही इमाम ने बताया कि मोहाली से सटे झामपुर इलाके में मंदिर के लिए जगह नहीं थी, क्योंकि नई आबादी बस रही थी। ऐसे में धार्मिक स्थानों के लिए जगह जरूरी है, सनातन धर्म के लिए कोई स्थान नहीं था। पंडित राजाराम ने मोहम्मद इमरान हैप्पी से संपर्क किया और मंदिर कमेटी के लिए जगह मांगी। उन्होंने (हैप्पी ने) मुझसे पूछा तो मैंने कहा कि इस्लामी देशों में भी हिंदू-सिख भाईचारे के लोग जाकर बसते हैं, तो उनकी धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए वहां धार्मिक स्थान बनाए जाते हैं। दुबई में गुरुद्वारा नानक दरबार साहिब है, इसी तरह मंदिर भी हैं।

● **मोहब्बत के तोहफे के रूप में जमीन दी-** शाही इमाम ने कहा कि मोहम्मद इमरान हैप्पी ने 325 गज जगह, जिसकी कीमत 80 लाख बताई जा रही है, मंदिर कमेटी को तुरंत सौंप दी। हैप्पी ने इसे मोहब्बत के तोहफे के रूप में दिया है। हम उम्मीद करते हैं कि जो मोहब्बत सदियों से चली आ रही है, वह आगे भी ऐसे ही चलती रहेगी। पंजाब की धरती पहली पातशाही गुरु नानक देव जी के नाम से जानी जाती है। श्री गुरु नानक साहिब, जिन्हें हम अपना पीर मानते हैं और जिन्हें आप (सिख) अपना गुरु कहते हैं, उनके दाईं और बाईं ओर एक हिंदू मरदाना और एक बाला जी चलते थे।

● **पंजाब की धरती से मिठास का संदेश-** शाही इमाम ने कहा कि कल भी धूरी में एक पंडित ने मस्जिद के लिए जगह दी। पिछले हफ्ते फतेहगढ़ साहिब के जखवाली में एक सरदार माता ने मस्जिद बनाने के लिए जगह दी है। पंजाब की धरती से मिठास का संदेश पूरे भारत के लिए अमृत है। यह एकता की मिसाल है।

लखनऊ में 6 लोगों को रौंदने वाला स्कूली छात्र गिरफ्तार

● गर्लफ्रेंड के साथ पार्टी से लौट रहा था, 6 साल के बच्चे की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में कार से 6 लोगों को रौंदने वाला 12वीं का स्टूडेंट गौरव सिंह गिरफ्तार हो गया है। इस हिट एंड रन का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें आरोपी गौरव बहुत तेज रफ्तार में कार चलाता हुआ नजर आ रहा है। बताया जाता है कि कार में उसकी गर्लफ्रेंड भी थी। दोनों किसी फेयरवेल पार्टी में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसे में नानी के साथ मार्केट गए 6 साल के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 5 लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। जान गंवाने वाला बच्चा दीक्षांत उन्नाव का रहने वाला है। वह यहां ननिहाल में मां साधना के साथ रहता था। केंद्रीय विद्यालय में पढ़ता था। हादसा गुरुवार शाम करीब 7 बजे बंथरा थाना क्षेत्र में कानपुर रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास हुआ। इसका सीसीटीवी शुक्रवार को सामने आया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार रुकते ही लड़की उतर गई, जबकि छात्र कार लेकर भाग निकला। वहीं, सूचना पर अस्पताल पहुंची मां अपने बेटे के शव से कफन हटाते ही चीख पड़ी। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा के अनुसार, पुलिस ने कार को ट्रेस कर आरोपी छात्र गौरव सिंह को गिरफ्तार कर लिया और कार भी जब्त कर ली है। गौरव की कार बेकाबू थी। वह अवध कॉलेजिएट में 12वीं में पढ़ता है। उसकी उम्र 21 साल है। कार में उसकी क्लासमेट मौजूद थी।

संक्षिप्त समाचार

पटना के दीघा गोलंबर के पास बनेगा वेंडिंग जोन, जेपी गंगा पथ की दुकानों को किया जाएगा शिफ्ट

पटना। पटना के जेपी गंगा पथ पर मौजूद दुकानों को व्यवस्थित करने के लिए दीघा गोलंबर के पास करीब 55 हजार वर्ग फुट में वेंडिंग जोन बनाया जाएगा। इसके लिए जमीन को मिट्टी भरकर समतल किया जाएगा। यहां म्यूटिफिकेशन के बाद वेंडरों को शिफ्ट कराया जाएगा। इसके साथ ही फुट ओवरब्रिज, पार्किंग, शौचालय, पेयजल, लाइटिंग सहित अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। अवैध रूप से सड़क किनारे दुकान लगाने के बजाय यह व्यवस्था वेंडरों के लिए सुरक्षित और बेहतर विकल्प साबित होगी। दीघा गोलंबर के पास रेलवे ब्रिज के किनारे खाली जमीन पर फिलहाल अवैध अतिक्रमण है। इसे हटाकर एरिया को साफ किया जा रहा है। अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। जेपी गंगा पथ पर लग रही दुकानें अवैध रूप से संचालित हो रही थीं। उन्हें यहां व्यवस्थित तरीके से बसाया जाएगा। गंगा पथ पर सड़क किनारे वाहन खड़े होने से अक्सर जाम की समस्या रहती थी। पार्किंग बनने से इस समस्या से राहत मिलेगी। दूसरी ओर मरीन ड्राइव दुकानदार संघ अपनी मांगों को लेकर लगातार धरना दे रहे हैं। फिलहाल वे गंगा किनारे अस्थायी रूप से दुकान लगा रहे हैं, लेकिन वहां कस्टमर नहीं पहुंच रहे हैं। पटना नगर निगम की ओर से शहर में करीब तीन दर्जन वेंडिंग जोन बनाए जा रहे हैं। इसका मकसद सड़कों को खाली कर वेंडरों को एक जगह व्यवस्थित करना है। इनमें से पांच वेंडिंग जोन को अतिक्रमण मुक्त कर जमीन को विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा शहर के विभिन्न अंचलों में जरूरत के अनुसार 32 नए वेंडिंग जोन भी बनाए जा रहे हैं।

वैलेंटाइन डे से पहले पटना में दिखे 'बाबू-सोना' पोस्टर, हिंदू शिवभवानी सेना के नाम से लगे होर्डिंग

पटना। वैलेंटाइन डे से ठीक पहले पटना में "बाबू-सोना" धमकी वाले पोस्टर देखने को मिल रहे हैं। इन पोस्टरों में लिखा है कि 'जहां मिलेंगे बाबू-सोना, तोड़ देंगे कोना कोना।' इसके अलावा पोस्टर में आगे लिखा है- 'वेलेंटाइन डे इसदिन बाबू सोना नहीं, पुलवामा के शहीदों को नमन दिवस।' शहर के कई इलाकों में लगाए गए धमकी वाले इन पोस्टरों के सामने आने के बाद माहौल गरमा गया है। पटना पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। अधिकारियों ने साफ कहा है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या लोगों को डराने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पोस्टर हिंदू शिवभवानी सेना के नाम से लगाए गए हैं। पोस्टर में दावा किया गया है कि वैलेंटाइन डे और वैलेंटाइन वीक भारतीय संस्कृति के खिलाफ है। इससे समाज में अश्लीलता बढ़ती है। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 14 फरवरी को अगर कोई "बाबू-सोना" जैसे दिखावटी नामों का इस्तेमाल कर सार्वजनिक जगहों पर अश्लील हरकत करता पाया गया तो संगठन सामाजिक और नैतिक रूप से इसका विरोध करेगा।

पटना वीमेंस कॉलेज में 35 छात्राओं को मिलेगा गोल्ड मेडल, 24 फरवरी को दीक्षांत समारोह

पटना। पटना वीमेंस कॉलेज में 24 फरवरी को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में 35 छात्राओं को गोल्ड मेडल मिलेगा। कॉलेज के वेरोनिका ऑडिटोरियम में सुबह 11:30 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। इस आयोजन में 2025 में पास होने वालीं स्नातक, बीएड और पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की छात्राओं को डिग्रियां दी जाएंगी, जिसमें 1089 छात्राएं शामिल होंगी। सुरक्षा और अनुशासन के मद्देनजर ऑडिटोरियम के अंदर मोबाइल, खाने-पीने की वस्तुएं और पानी की बोतल ले जाना पूरी तरह मना है। इस दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड भी लागू किए गए हैं। छात्राओं को लाल या सुनहरी बॉर्डर वाली सफेद या ऑफ-व्हाइट साड़ी/सलवार सूट पहनकर आना होगा। इस दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाली सभी छात्राओं को अपनी भुगतान रसीद साथ लाना अनिवार्य है। समारोह वाले दिन ही सुबह 9 से 10 बजे के बीच अंगवस्त्र का वितरण ऑडिटोरियम के बाहर बने काउंटरों से किया जाएगा। हर एक छात्रा के साथ केवल एक अभिभावक को शामिल होने की अनुमति दी गयी है, जिन्हें सुबह 10:30 बजे तक अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

बिहार में मौसम का दोहरा मिजाज, सुबह-शाम ठंड, दिन में धूप रहेगी, 10 डिग्री के आसपास न्यूनतम तापमान

पटना। बिहार में सुबह और देर शाम कोहरा छाया रह सकता है। वहीं, दिन में तेज धूप निकलेगी। मौसम विभाग की मानें तो तापमान में ज्यादा उतार-चढ़ाव होने की संभावना नहीं है। फिलहाल राज्य में न्यूनतम तापमान करीब 8 से 16 डिग्री और अधिकतम तापमान लगभग 28 से 32 डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों मौसम "दोहरे मिजाज" वाला है, यानी सुबह-शाम हल्की ठंड और दिन में तेज धूप देखने को मिल रही है। बीते 24 घंटे में प्रदेश का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास रहा है। वहीं, एक-दो जिलों में सुबह-शाम कोहरा छाया रहा। हालांकि पटना में मौसम साफ रहा। दिन में धूप निकली फिर शाम हल्की ठंडी रही। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में यह स्थिति पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवाओं और साफ आसमान की वजह से बनती है। रात में तापमान गिरता है और नमी के कारण सुबह कोहरा बनता है। कई जगहों पर ठंडी हवाएं और पहले हुई हल्की बारिश भी तापमान को संतुलित बनाए रखती है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर बिहार में सुबह के समय कोहरा ज्यादा रहता है और दिन में धूप निकलने से तापमान धीरे-धीरे बढ़ जाता है।

कब तक रहेगा ऐसा मौसम: मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक तापमान में बहुत बड़ा बदलाव नहीं होगा। धीरे-धीरे अधिकतम और न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन सुबह में कोहरा फिलहाल बना रह सकता है। कई इलाकों में सुबह कोहरा और दिन में साफ मौसम का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय राज्य में ठंड की तीव्रता कम हो रही है और मौसम स्थिर हो रहा है। ठंडी हवा और नमी की वजह से सुबह कोहरा बनता है, लेकिन दिन में धूप निकलने से ठंड ज्यादा नहीं बढ़ती। मौसम विभाग के मुताबिक अभी ठंड की लहर या गंभीर मौसम की स्थिति बनने के संकेत नहीं हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह मौसम गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी फसलों के लिए सामान्य माना जाता है। सुबह हल्की नमी फसलों के लिए फायदेमंद होती है, लेकिन ज्यादा कोहरा या पाला पड़ने की स्थिति नहीं होने से नुकसान की आशंका कम रहती है। अगर दिन में धूप निकलती रहेगी तो फसलों की ग्रोथ बेहतर होती है।

कोचिंग छात्रा की मौत पर प्रदर्शन पटना-औरंगाबाद मार्ग किया जाम

भाई बोला- हत्या हुई है, 3 डिटेन किए गए

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ में कोचिंग छात्रा पिंकी कुमारी की संदिग्ध मौत का मामला गरमा गया है। घटना के विरोध में शुक्रवार को परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया गया। शुक्रवार को हुए इस प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व विधायक गोपाल रविदास ने किया, जिसमें ग्रामीण भी शामिल थे। उन्होंने मार्ग को पूरा तरह बंद कर प्रदर्शन शुरू किया। उन्होंने छात्रा की मौत को हत्या बताते हुए अपराधियों की फौरन गिरफ्तारी की मांग की है।

पटना-औरंगाबाद मार्ग को किया बंद: प्रदर्शनकारियों ने एम्स गोलंबर के नजदीक पटना-औरंगाबाद मार्ग को बंद कर दिया था। वे लगातार अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। उन्होंने इस घटना की न्यायिक जांच की भी मांग की। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल के साथ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी और फुलवारी शरीफ थाना पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया।

कोचिंग के चौथे तल्ले से गिरकर हुई थी मौत: गुरुवार सुबह इंटर की छात्रा पिंकी कुमारी की कोचिंग के चौथे तल्ले से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई थी। परिवार के सदस्यों ने इसे हत्या करार दिया था। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

घर से लगभग 2 किलोमीटर दूर है कोचिंग: पटना के चक मूसा जानीपुर थाना क्षेत्र में पिंकी कुमारी का घर है, जहां से कोचिंग की दूरी लगभग 2 किलोमीटर है। पिंकी के पिता सत्येंद्र राय किसान हैं, जबकि मां सरस्वती देवी हाउस वाइफ है। पिंकी अपने पांच भाई बहनों में सबसे छोटी थी। पिंकी इंटर फर्स्ट ईयर की छात्रा थी और इंजीनियरिंग की तैयारी कर रही थी। रोज की तरह वह अपने घर से कोचिंग के लिए सुबह 8:00 बजे निकली थी। रूपेश कुमार का कोचिंग दूसरे बिल्डिंग के दूसरे माले पर है।

सुबह 8 बजे कोचिंग के लिए निकली थी छात्रा: पिता सत्येंद्र यादव ने बताया कि, 'वो सुबह 8 बजे कोचिंग के लिए निकली थी। 9 बजे सूचना मिली कि उसकी मौत हो गई है। हम कोचिंग पहुंचे तो सड़क पर उसकी लाश पड़ी थी। खून के निशान भी नहीं थे। हमने सोचा की नेचुरल डेथ हुई होगी। इसके बाद हम उसके शव को लेकर दीघा आ गए। परिजन उसके अंतिम संस्कार की तैयारी में जुट गए। इस बीच पिंकी के परिजनों ने देखा कि पिंकी के पीछे के भाग पर तेज नुकीले हथियार से वार के निशान थे। सर और शरीर के कई जगहों पर चोट के निशान दिखे। हमें शक हुआ कि पिंकी की हत्या की गई है। हमने इसकी सूचना फुलवारी शरीफ थाने को दी। सूचना पाकर पुलिस दीघा घाट पहुंची। पुलिस ने कहा कि पोस्टमॉर्टम करवाना होगा। इसके बाद हमने शव पुलिस को सौंप दिया।

कोचिंग के सीसीटीवी में क्या मिला

कोचिंग के CCTV में छात्रा सफेद कपड़ों में सीढ़ियों से ऊपर की ओर जाती दिख रही है। उसके पीछे एक लड़का जाता दिखाई दे रहा है। थोड़ी देर बाद एक और लड़का सीढ़ियों से जाता दिखाई दिख रहा है। CCTV में लड़की छत से गिरती दिख रही है। दोनों लड़के सीढ़ियों से लौटते हुए भी दिख रहे हैं। नीचे आकर लड़के रुकते हैं और लड़की की लाश को देखते हैं और फिर दौड़कर भाग जाते हैं। पुलिस ने CCTV फुटेज को जब्त किया है। इसकी जांच की जा रही है।

किस हाल में मिली बॉडी

छात्रा की बॉडी कोचिंग के पास सड़क पर मिली है। पास ही उसकी चप्पल पड़ी मिली। मौके से खून के निशान नहीं मिले हैं। मौत कैसे हुई है, इसे लेकर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है। छात्रा के साथियों से भी पूछताछ हो रही है। इसके साथ कोचिंग संचालक से भी जानकारी ली जा रही है। जिस जगह से लड़की गिरी है, वहां ज्यादा लोग आते-जाते नहीं थे। पुलिस CCTV फुटेज की जांच कर रही है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। परिवार से भी जानकारी ली जा रही है।

मलाही पकड़ी स्टेशन डाउन-लाइन में टॉपरूफ बन रहा

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो के दो नए स्टेशनों को शुरू करने की कवायद की जा रही है। मलाही पकड़ी स्टेशन पर डाउन लाइन में टॉप रूफ का काम तेजी से चल रहा है। एंट्री गेट-1 पर स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने के लिए कॉनकोर्स लेवल पैनल ड्रेसिंग का काम चल रहा है। वहीं, खेमनीचक मेट्रो स्टेशन कॉरिडोर-1 पर ट्रैक डी-शटरिंग का काम सुचारू रूप से चल रहा है, जो यह बताता है कि परिचालन के लिए स्टेशन का काम अब अंतिम चरण में है। होली बाद ये दोनों स्टेशन शुरू होने की उम्मीद है।

♦ एंट्री गेट-1 पर पैनल ड्रेसिंग का चल रहा काम, खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक पर हो रही डी-शटरिंग

मलाही पकड़ी और खेमनीचक मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने से पहले फरवरी के अंतिम सप्ताह में कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी की (CMRS) अंतिम जांच प्रस्तावित है। सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरे उतरने के बाद, मार्च के पहले सप्ताह में इन दोनों स्टेशनों से मेट्रो सेवा शुरू हो सकती है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, CMRS की टीम 25 से 28 फरवरी के बीच पटना पहुंचेगी। इस दौरान टीम मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाएं और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करेगी।

पटना में डॉक्टर का अपहरण, 70 लाख रुपये फिरौती मांगी, तीन किडनैपर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ के जानीपुर से किडनैप एक डॉक्टर को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर समस्तीपुर से सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में तीन अपहरणकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया गया है। यह अपहरण 70 लाख रुपये के लेनदेन विवाद को लेकर किया गया था। इसी विवाद के चलते आरोपियों ने 70 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। रकम न मिलने पर मनोज ने समस्तीपुर के अपराधियों को सुपारी देकर अपहरण की साजिश रची थी।

घर आते समय रास्ते में किया किडनैप: सिटी एसपी (पश्चिमी) भानु प्रताप सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि, 10 फरवरी 2026 को डॉ. सर्वेश कुमार तिवारी जानीपुर थाना क्षेत्र के आर्यभट्ट इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग और पारा मेडिकल कॉलेज, रामपुर से अपने राजीवनगर स्थित आवास लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका अपहरण कर लिया गया। अपहरणकर्ताओं ने परिजनों से 70 लाख रुपये की फिरौती मांगी और पैसे न देने पर हत्या की धमकी दी थी।

एसआरटी टीम ने समस्तीपुर से बरामद, 3 गिरफ्तार: घटना के बाद परिजनों ने जानीपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी फुलवारीशरीफ-02 और जानीपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी अनुसंधान, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग और मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई शुरू किया। अपहृत डॉ. तिवारी को समस्तीपुर जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के मकसूदपुर गांव से सुरक्षित बरामद कर लिया। इस दौरान समस्तीपुर निवासी रविन्द्र प्रसाद, राकेश कुमार और मनीष कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

❒ 24 घंटे में एसआरटी टीम ने समस्तीपुर से किया बरामद

नौकरी दिलाने और परीक्षा पास कराने के नाम पर दिया था झांसा: सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि, 'प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नौकरी दिलाने और परीक्षा पास कराने के नाम पर हुए पैसे के लेनदेन को लेकर अपहृत डॉक्टर और 'मनोज' नामक व्यक्ति के बीच विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते 70 लाख रुपये की मांग की जा रही थी। रकम न मिलने पर मनोज ने समस्तीपुर के अपराधियों को सुपारी देकर अपहरण की साजिश रची थी। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के आधार पर इस मामले में संलिप्त अन्य अपराधियों की पहचान की जा रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।'

साइको किलर भांजे ने मामा का बीच सड़क गला काटा

♦ पटना में भाई की हत्या की कोशिश में जेल गया था,मां से कहा था-तुमको भी काट दूंगा

एजेंसी, पटना

पटना सिटी में दिनदहाड़े 26 साल के भांजे ने 62 साल के मामा का गला बीच सड़क पर धारदार हथियार से काट डाला, जिससे उनकी मौत हो गई। अयाज ने रईस के गले पर चापड़ (धारदार हथियार) से 23 सेकेंड में करीब 10 बार वार किया। बीच सड़क मर्डर का सीसीटीवी भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा कि अयाज अपने मामा पर ताबड़तोड़ धारदार हथियार से हमला कर रहा है। आसपास से लोग भी गुजर रहे थे, पर किसी ने बचाने की कोशिश नहीं की। सभी तमाशा देख रहे थे। हमले के बाद युवक ने अपने बाल ठीक किए। चाकू पर लगा खून छिटका और बड़े आराम से निकल गया।

मृतक की पहचान मोहम्मद रईस (62) के रूप में हुई है। अयाज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रईस टेलर था, जबकि अयाज बेरोजगार था। घटना की सूचना मिलने के बाद चौक थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी है।

10 कदम साथ चला, फिर गले पर पहला वार: गुरुवार सुबह रईस करीब 10:45 बजे काम पर जाने के लिए पैदल ही बख्शी मोहल्ले के घर से निकले। उनके निकलने के कुछ देर बाद ही अयाज भी उनका पीछा करते निकला। हत्या करने की नीयत से चापड़ लेकर आता है। सीसीटीवी में उसके हाथ में चापड़ दिख रहा है। CCTV फुटेज में दिखता है कि अयाज पीछे से आता है और करीब 10 कदम उनके साथ चलता है। मोड़ पर पहुंचते ही वह आगे निकलता है और अचानक चापड़ से रईस के गले पर वार कर देता है।

पहले वार के बाद रईस सड़क किनारे एक पोल के पास गिर जाते हैं। इसके बाद अयाज 10 से ज्यादा बार वार करता है। पूरी घटना 23 सेकेंड में खत्म हो जाती है। हत्या के बाद आरोपी आराम से अपने बाल सेट करता है। चाकू पर लगा खून झटकता है और मौके से निकल जाता है। आसपास मौजूद लोग पूरी घटना देखते रहे, लेकिन किसी ने बीच-बचाव नहीं किया।

बीएसएससी सेकेंड इंटर लेवल, सीजीएल-4 की तारीख जारी करने की मांग

25 अंक वेटेज पर छात्रों का विरोध, छात्र नेता बोले-जल्द मांग पूरी करें, नहीं तो होगा प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

बिहार में दूसरी इंटर स्तरीय भर्ती परीक्षा में देरी और 25 अंक वेटेज विवाद को लेकर अभ्यर्थियों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मांगें पूरी नहीं हुईं तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। अभ्यर्थियों का आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है। नई व्यवस्था के जरिए कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने की कोशिश हो रही है। इसी मुद्दे को लेकर अभ्यर्थी अब खुलकर सामने आ रहे हैं और सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

ढाई साल बाद भी परीक्षा तिथि नहीं: अभ्यर्थियों का आरोप है कि लंबे समय से तैयारी कर रहे उम्मीदवार मानसिक और आर्थिक दबाव में हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि आंदोलन और दबाव के बाद ही भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ी और आखिरकार 2022 में नियुक्ति पूरी हो सकी। अब उम्मीदवारों को डर है कि दूसरी भर्ती भी उसी तरह लंबी खिंच सकती है।

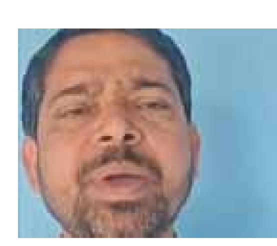

25 अंक अतिरिक्त वेटेज का मामला उठाया: अभ्यर्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि Bihar Staff Selection Commission में संविदा कर्मियों को 25 अंक अतिरिक्त वेटेज देने की बात सामने आई है। उनका कहना है कि इससे सामान्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय होगा और भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होंगे। अभ्यर्थियों का कहना है कि अगर यह फैसला लागू होता है तो मेरिट सिस्टम कमजोर हो जाएगा। उम्मीदवारों ने सवाल उठाया कि जब UPSC और BPSC जैसी बड़ी परीक्षाओं में अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक देने की व्यवस्था नहीं है, तो फिर इस भर्ती में ऐसा नियम क्यों बनाया जा रहा है। अभ्यर्थियों ने इस मामले की जांच कराने की मांग की है।

सीएम नीतीश से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग: अभ्यर्थियों ने सीएम नीतीश कुमार से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकार को वेटेज वाला फैसला वापस लेना चाहिए और जल्द से जल्द परीक्षा तिथि घोषित करनी चाहिए ताकि युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो सके। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करेंगे। साथ ही सभी उम्मीदवारों से एकजुट होकर अपनी आवाज उठाने की अपील की गई है।

बिहार के 514 खिलाड़ियों को मिलेगी स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार द्वारा खेल स्कॉलरशिप के लिए खिलाड़ियों से आवेदन मांगे गए थे। अब इन खिलाड़ियों का चयन कर लिया गया है। उत्कर्ष, सक्षम और प्रेरणा छात्रवृत्ति योजना के तहत 514 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इन सभी खिलाड़ियों को खेल छात्रवृत्ति योजना का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। उत्कर्ष योजना के तहत 18 खिलाड़ियों को 20 लाख रुपए, प्रेरणा स्कॉलरशिप के तहत 367 खिलाड़ियों को 3 लाख रुपए और सक्षम योजना के 129 खिलाड़ियों को 5 लाख तक की स्कॉलरशिप दी जाएगी। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 1 साल पहले खेल छात्रवृत्ति योजना लागू की गई थी। इस बार भी हमने आवेदन स्वीकार किया है और कमिटी के द्वारा उसकी स्क्रुटनी भी हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा सभी को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इसके लिए सभी खिलाड़ियों को पटना आमंत्रित किया जाएगा। उत्कर्ष योजना के तहत 18 खिलाड़ी चयनित किए गए हैं। इसके तहत खिलाड़ियों को सालाना 20 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप के माध्यम से मदद मिलेगी। वहीं, सक्षम योजना के तहत 129 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इसके तहत खिलाड़ियों को सालाना 5 लाख तक का स्कॉलरशिप मिलेगा।

पटना-महाशिवरात्रि पर निकलेगी शोभयात्रा

मंदिर-घाटों में पहुंचेंगे हजारों श्रद्धालु

एजेंसी, पटना

15 फरवरी को महाशिवरात्रि के मौके पर पटना जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शहर के मंदिरों और नदी घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए तैयारियां की जा रही हैं। दीघा विधानसभा क्षेत्र के विधायक, जिलाधिकारी पटना और वरीय पुलिस अधीक्षक पटना ने खाजपुरा स्थित शिव मंदिर का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिस दौरान श्री महाशिवरात्रि महोत्सव शोभा यात्रा अभिनंदन समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि समिति के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़ प्रबंधन, विधि-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। महाशिवरात्रि के दिन शहर में भीड़ बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने ट्रैफिक प्लान जारी किया है। आम लोगों से अपील की गई है कि वे ट्रैफिक व्यवस्था का पालन करें, ताकि जाम की समस्या न हो और सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से आवागमन की सुविधा मिल सके। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की विशेष तैनाती की गई है। स्पेशल मोबाइल टीम और रिवर पेट्रोलिंग टीम भी सक्रिय रहेंगी।

महाशिवरात्रि के मौके पर पटना में अलग-अलग जगहों से शोभा यात्रा निकलेगी, जो सुबह 3 बजे के बाद अलग-अलग रूट से खाजपुरा शिव मंदिर (बेली रोड) पहुंचेगी। इसे देखते हुए ट्रैफिक में बदलाव किया गया है। राजा बाजार फ्लाईओवर के नीचे से टीओपी मोड़ से जगदेव पथ मोड़ तक आम वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। सिर्फ इमरजेंसी गाड़ियां चलेंगी। रुकनपुरा से चिड़ियाघर गेट नंबर-01 तक नगर सेवा/सिटी राइड बसें फ्लाईओवर के ऊपर से जाएंगी। जो वाहन जगदेव पथ से हवाई अड्डा, आयकर गोलंबर या पटना जंक्शन की ओर जाएंगे, उन्हें जगदेव पथ मोड़ से दक्षिण की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वे फुलवारी जेल मोड़ होकर आगे जा सकेंगे। बेली रोड से दीघा, राजीवनगर या एएन कॉलेज की तरफ जाने वाले छोटे वाहन पथ नंबर-04 (अब्दुल्ला पथ मोड़) से डायवर्ट होकर अशोकनगर-दीघा रोड से जा सकेंगे। पूर्व से पश्चिम जाने वाली गाड़ियां टीओपी से डायवर्ट होकर हवाई अड्डा पश्चिमी गेट, फुलवारी जेल मोड़ होते हुए आगे जा सकेंगी। पूर्व से पश्चिम आशियाना/दीघा जाने वाले वाहन राजा बाजार फ्लाईओवर के ऊपर से रुकनपुरा, फिर रूपसपुर पुल के नीचे (विजयनगर) से यू-टर्न लेकर आगे जा सकेंगे। आशियाना-दीघा रोड से बेली रोड की ओर जाने वाले वाहन पासपोर्ट ऑफिस मोड़ से अब्दुल्ला पथ होकर जगदेव पथ मोड़ पहुंचेंगे। वहां से आगे बेली रोड या फुलवारी जेल की तरफ जा सकेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर नदी घाटों पर सुरक्षा को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

जनेरवा के सपूत अबू बकर का सीआईएसएफ में चयन, देश सेवा के लिए हुए रवाना

बीएनएम @ मोतिहारी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में चयनित होकर जिला के बंजरिया प्रखंड स्थित ग्राम जनेरवा निवासी मरहूम रेयाजुल हक के सबसे छोटे सुपुत्र अबू बकर देश सेवा के पवित्र दायित्व के निर्वहन हेतु शुक्रवार को रवाना हो गए। उनके चयन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया। बताया जाता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद अबू बकर ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता अर्जित की। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार बल्कि जनेरवा गाँव, बंजरिया प्रखंड तथा पूर्वी चंपारण जिला भी स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गाँव में विदाई के दौरान परिजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया तथा मिठाइयाँ बांटकर खुशी का इज़हार किया। ग्रामीणों ने कहा कि अबू बकर की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। देश सेवा के मार्ग पर चलकर उन्होंने यह साबित किया है कि सच्ची लगन और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। ग्रामीणों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

अरेराज सोमेश्वरनाथ धाम में महाशिवरात्रि महोत्सव का भव्य शंखनाद

बीएनएम @ अरेराज। प्रसिद्ध पौराणिक स्थल बाबा सोमेश्वरनाथ धाम में विजया एकादशी के पावन अवसर पर महाशिवरात्रि महोत्सव की विधिवत शुरुआत हो गई है। उत्सव के पहले दिन नगर के सभी देवी-देवताओं के आवाहन और स्थापन पूजन के साथ ही पारंपरिक अनुष्ठानों का आगाज किया गया। प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए बाबा सोमेश्वरनाथ की विशेष प्रीति सरकार पूजा संपन्न हुई और भगवान शिव एवं माता पार्वती के ग्रंथि बंधन की रस्म श्रद्धापूर्वक पूरी की गई। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। महामंडलेश्वर रविशंकर गिरी ने महोत्सव की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि दशमी तिथि को नगरवासियों को आमंत्रित करने के बाद आज एकादशी को सभी देवी-देवताओं को भव्य शिवबारात का निमंत्रण दिया गया है। उन्होंने बाबा की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करने से भक्तों को अनंत फल की प्राप्ति होती है। इस वर्ष भी मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है, जिसे देखते हुए मंदिर प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली हैं ताकि उत्सव को गरिमामय और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया जा सके।

जयसिंहपुर बेलघटि के भोलेशंकर-पार्वती मंदिर में अष्टयाम आरंभ, गांव में भक्तिमय माहौल

बीएनएम @ तुरकौलिया। जयसिंहपुर बेलघटि स्थित भोलेशंकर एवं पार्वती मंदिर में मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत शुक्रवार से 24 घंटे का सामूहिक अष्टयाम शुरू हो गया है। सुबह से ही मंदिर परिसर में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंडली के साथ महिलाओं ने भक्ति गीतों और कीर्तन से वातावरण को पूर्णतः आध्यात्मिक बना दिया। अष्टयाम प्रारंभ होने से पूर्व पारंपरिक मंगल गीत भी गाए गए। मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि 11 फरवरी को मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई थी। 12 फरवरी को विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। शुक्रवार को रुद्राभिषेक के बाद अष्टयाम का शुभारंभ किया गया। मंदिर परिसर में भंडारे का भी आयोजन किया गया है, जिसमें पूरे गांव के लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। आसपास के गांवों में भी निमंत्रण भेजा गया है। इस अवसर पर मंदिर के समीप मेला भी लगा है, जहां सैकड़ों लोग पहुंच रहे हैं। शिवरात्रि के दिन विशेष जलाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पूरे गांव में पूजा को लेकर उत्सव जैसा माहौल है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव मदन साह, धर्मेंद्र गिरी, केस्टो मुखर्जी, यादोलाल प्रसाद, सुमन कुमार, चंद्रिका साह, चंदन कुमार और बिरजू कुमार सहित अन्य ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रामगढ़वा में क्रिएशन गुरुकुल का वार्षिक महोत्सव आयोजित, बच्चों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

बीएनएम @ रामगढ़वा। रामगढ़वा स्थित शैक्षणिक संस्थान क्रिएशन गुरुकुल में शुक्रवार को वार्षिक महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर उत्साह और उमंग से भरा रहा। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुखिया नसीबुल हक, प्रमुख पति विशाल गुप्ता, उपप्रमुख अरविंद पांडे, सरपंच मुन्ना रेयाज अहमद, मोहम्मद मूसा और राजु भगत सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महोत्सव के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। आसिफा, जेयाना, सुमन गुप्ता, खुशी गुप्ता और सुहाना की प्रस्तुतियों को विशेष सराहना मिली। बच्चों ने लोक नृत्य, नाटक और संगीत के माध्यम से सामाजिक संदेश भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मौके पर अभिमन्यु यादव, अमित पांडे, सत्यम कुमार, नदीम अहमद, नसीम अख्तर, मनीष रौनियार, राजकुमार मिश्रा और अफसाना परवीन सहित अन्य शिक्षक सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

ममारखा पेक्स अध्यक्ष रंजन सिंह ने ग्रहण की जदयू की सदस्यता

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार में जनता दल यूनाइटेड के वर्ष 2025 से 2028 के सदस्यता अभियान ने अब गति पकड़ ली है। इसी क्रम में ममारखा के पेक्स अध्यक्ष आदरणीय रंजन सिंह उर्फ झुनझुन सिंह ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ जदयू की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को एक नई मजबूती प्रदान की है। रंजन सिंह ने न केवल स्वयं पार्टी की सदस्यता ली, बल्कि अपने क्षेत्र में सदस्यता अभियान का प्रभावी नेतृत्व करते हुए भारी संख्या में लोगों को पार्टी से जोड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार में किए गए चौमुखी विकास और उनकी दूरगामी नीतियों से प्रभावित होकर झुनझुन सिंह के कुशल नेतृत्व में आम जन ने अत्यंत उत्साह के साथ जदयू परिवार का हिस्सा बनने का निर्णय लिया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जदयू बिहार के प्रदेश सचिव सह नरकटियागंज विधानसभा प्रभारी साकेत सिंह ने रंजन सिंह के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। उन्होंने पार्टी की ओर से और व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि जिस प्रकार झुनझुन सिंह ने पूरे सहयोग और गर्मजोशी के साथ आतिथ्य सत्कार किया, वह उनके मिलनसार व्यक्तित्व और पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाता है। साकेत सिंह ने झुनझुन सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि उनके आने से पार्टी की रणनीतिक और सामाजिक पकड़ और भी मजबूत होगी।

हत्या के प्रयास मामले में फरार आरोपियों के घर इश्तिहार चस्पा

बीएनएम @ मोतिहारी

कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की। कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया से पूर्व पुलिस टीम ढोल-नगाड़े के साथ जटवलिया गांव पहुंची और आरोपियों के घर पर इश्तिहार विधिवत चस्पा किया। पुलिस के अनुसार कुंडवा चैनपुर थाना कांड संख्या-56/25 में नामजद अभियुक्त सोनू दुबे (पिता-छोटेलाल दुबे), छोटेलाल दुबे (पिता-कपिलदेव दुबे) एवं गुड्डू दुबे उर्फ पुष्कर द्विवेदी (पिता-लालबाबू दुबे) लंबे समय से फरार हैं। तीनों आरोपी जटवलिया गांव, थाना-कुंडवा चैनपुर, जिला पूर्वी चंपारण के निवासी बताए गए हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि न्यायालय द्वारा जारी आदेश के तहत इश्तिहार तामिल किया गया है। उन्होंने फरार अभियुक्तों को शीघ्र न्यायालय में आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी है। निर्धारित अवधि में आत्मसमर्पण नहीं करने पर आरोपियों की संपत्ति की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सख्ती का संदेश गया है।

सड़क निर्माण विवाद ने लिया हिंसक रूप, युवक पर हमला व छिनतई का आरोप

बीएनएम @ मोतिहारी @ अवनीश कुमार सिंह

शहर के छतौनी थाना क्षेत्र अंतर्गत मठिया जिरात वार्ड संख्या 13/12 में सड़क निर्माण को लेकर चल रहा विवाद अब हिंसक झड़प में बदल गया है। मामले में एक युवक पर जानलेवा हमला और छिनतई का आरोप लगाते हुए पीड़ित परिवार ने थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। आवेदन के अनुसार गुरुवार की रात कुछ लोग कथित रूप से कुदाल, लोहे की रॉड और डंडा जैसे हथियारनुमा सामान लेकर पीड़ित के घर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने 31 वर्षीय सागर शुभम पर अचानक हमला कर दिया। हमले में उसके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर जब परिवार के अन्य सदस्य बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना के दौरान हमलावरों ने लगभग एक लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन और दुकान की बिक्री के करीब 50 हजार रुपये नकद भी छीन लिए। घटना के बाद तत्काल डायल 112 पर सूचना दी गई। परिवार का कहना है कि मोहल्ले में प्रस्तावित 10 फीट चौड़ी सड़क के निर्माण को लेकर पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में इस घटना को अंजाम दिया गया। छतौनी थाना पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर वॉकथॉन को किया रवाना

बीएनएम @ मोतिहारी

राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के गौरवमयी अवसर पर पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास निगम के संयुक्त तत्वाधान में भव्य वॉकथॉन कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके अधिकारों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करना था। इस वॉकथॉन की शुरुआत सुबह 8:00 बजे समाहरणालय परिसर से हुई। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने स्वयं उपस्थित होकर प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वॉकथन नगर के समाहरणालय परिसर से शुरू होकर कचहरी चौक और राजबाजार होते हुए पुनः समाहरणालय परिसर में वापस आकर संपन्न हुआ। इस वॉकथान कार्यक्रम में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ-साथ मुजीब कन्या उच्च विद्यालय, जीएमएस बाल निकेतन मोतिहारी, राजकीय मध्य विद्यालय महावीर ललिता मोतिहारी नगर, यूएचएस बरियारपुर की बालिकाओं के साथ उपरोक्त सभी विद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। वॉकथॉन के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मार्च करते हुए आम जनता को राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं के स्लोगन से लोगों को जागरूक किया गया । जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने इस अवसर पर कहा कि महिलाओं का सम्मान और उनकी प्रगति ही एक सशक्त समाज की नींव है। महिला एवं बाल विकास निगम के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम ने शहरवासियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया और "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" व महिला सुरक्षा जैसे संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया।

डीडी के स्वर्णिम युग की आवाज सरला माहेश्वरी नहीं रहीं, लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने अनोखी कलाकृति से दी श्रद्धांजलि

बीएनएम @ मोतिहारी

हिंदी पत्रकारिता और दूरदर्शन के स्वर्णिम दौर की एक अहम और विश्वसनीय आवाज़ सरला माहेश्वरी अब हमारे बीच नहीं रहीं। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं, बल्कि उस युग की विदाई है जब समाचार संयम, भाषा की शुद्धता और तथ्यनिष्ठ प्रस्तुति के लिए पहचाने जाते थे। सोशल मीडिया पर उनके निधन की सूचना मिलते ही भारत के प्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार भावुक हो उठे। उन्होंने अपनी विशेष कला के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक अद्भुत कलाकृति तैयार की। लीफ आर्ट के जादूगर मधुरेंद्र ने पांच घंटे की कठिन साधना के बाद मात्र 3 सेंटीमीटर के पीपल के हरे पत्ते पर सरला माहेश्वरी की अत्यंत सूक्ष्म और जीवंत तस्वीर उकेरी। इस अनूठी कलाकृति के साथ उन्होंने भावपूर्ण शब्दों में लिखा— "अलविदा सरला माहेश्वरी"। उनकी यह कलाकृति देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और लोगों ने इसे भावभीनी श्रद्धांजलि बताया। मधुरेंद्र ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बचपन के दिनों में सरला माहेश्वरी देश की सबसे लोकप्रिय समाचार वाचिकाओं में से एक थीं। उन्होंने अत्यंत सौम्य, गरिमामय और विश्वसनीय अंदाज में समाचार प्रस्तुत कर दर्शकों का विश्वास जीता। ब्लैक एंड व्हाइट टीवी युग में भी उन्होंने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से इतिहास रचा। गौरतलब है कि सरला माहेश्वरी ने 1970 के दशक से लेकर 2005 तक पत्रकारिता जगत में सक्रिय भूमिका निभाई। उस दौर में लोग समाचार सुनने के लिए घरों में शांति से बैठते थे। उनकी रिपोर्टिंग में न शोर था, न उत्तेजना—बल्कि समाज और सत्ता के बीच संतुलित संवाद था। आज जब टीवी पत्रकारिता पर टीआरपी की होड़ और शोर-शराबे का आरोप लगता है, ऐसे समय में सरला माहेश्वरी का कार्य और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। उनकी पत्रकारिता सत्य, संयम और संवेदना की मिसाल रही। सरला माहेश्वरी का जाना दूरदर्शन के उस स्वर्णिम अध्याय का समापन है, जिसे आज भी "डीडी का स्वर्णिम युग" कहा जाता है। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए पत्रकारिता का मानक बनी रहेगी।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 42 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर जिला स्तरीय पदाधिकारी के द्वारा सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार एवं निधि कुमारी ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। आज भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया।

रक्सौल हवाईअड्डा विस्तार के लिए मुआवजा शिविर आयोजित, 20 आवेदन जमा

बीएनएम @ मोतिहारी

रक्सौल हवाईअड्डा विस्तारीकरण परियोजना के तहत अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान को लेकर हवाईअड्डा परिसर में विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अरुण कुमार ने की। इस शिविर में प्रभावित रैयतों से कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए। संबंधित अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों की जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासन के अनुसार सभी आवेदनों का सत्यापन पूरा होने के बाद मुआवजा राशि शीघ्र ही रैयतों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी जाएगी। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने कहा कि मुआवजा भुगतान की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और नियमानुसार संपन्न की जाएगी, ताकि किसी भी लाभार्थी को परेशानी न हो। प्रशासन ने हवाईअड्डा विस्तार परियोजना को क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना के पूरा होने से भविष्य में हवाई सेवाओं के विस्तार की संभावनाएं बढ़ेंगी और सीमावर्ती क्षेत्र में आवागमन व व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

फेनहारा में मेघा कृषि ऋण आउटरीच अभियान के तहत जागरूकता सभा आयोजित

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

फेनहारा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत शेखावना चौक स्थित जीविका कार्यालय परिसर में शुक्रवार को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेघा कृषि ऋण आउटरीच अभियान के तहत एक विशेष जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ पटना से आए आंचलिक प्रमुख राजीव रंजन सिन्हा तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के रिजनल हेड रंधीर कुमार सहित अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बैंक के संस्थापक सर सोराबजी पोछखानवाला के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। मोतिहारी एवं पटना से आए बैंक पदाधिकारियों ने जीविका में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिला समूहों को डमी चेक प्रदान कर सम्मानित किया। अधिकारियों ने समूह की महिलाओं के सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए त्वरित ऋण स्वीकृति एवं राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस सभा के दौरान किसानों के सशक्तिकरण, कौशल विकास, स्वरोजगार एवं सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने में बैंक और जीविका समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में कृषि ऋण सुविधा, स्वरोजगार के अवसर, महिला सशक्तिकरण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने जीविका दीदियों से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि अधिक से अधिक किसान एवं ग्रामीण परिवार लाभान्वित हो सकें। सभा में बड़ी संख्या में जीविका समूह की महिलाएं, बैंक प्रतिनिधि एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि थाना के छह पुलिस पदाधिकारियों का एक साथ तबादला

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना के एक साथ छह पुलिस पदाधिकारियों के तबादले से पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई है। तबादला होने वालों में अपर थानाध्यक्ष संतोषी कुमारी भी शामिल हैं। प्रशासनिक स्तर पर की गई इस कार्रवाई को विभागीय व्यवस्था में बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, हरसिद्धि थाना से प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार की अनुशंसा पर यह तबादला किया गया है। तबादला होने वाले पुलिस पदाधिकारियों में अपर थानाध्यक्ष संतोषी कुमारी के अलावा दारोगा राजकुमार, दारोगा अजय कुमार झा, जमादार पवन कुमार रखवाला, जमादार अरविंद कुमार सिंह तथा पीटीसी अभिमन्यु कुमार शामिल हैं। हालांकि पुलिस विभाग की ओर से तबादले को लेकर विस्तृत आधिकारिक कारण साझा नहीं किया गया है, लेकिन एक साथ कई पदाधिकारियों के स्थानांतरण को प्रशासनिक पुनर्व्यवस्था की प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

सिकंदरा और लछुआड़ में तीन ट्रैक्टर जब्त, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ सिकंदरा/लछुआड़ (जमुई)। सिकंदरा और लछुआड़ थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टरों को जब्त किया है। सिकंदरा थानाध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में शिवनाथी पोखर के पास छापेमारी कर बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त किया गया और मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया।दूसरी ओर, लछुआड़ थानाध्यक्ष रूपेश कुमार ने बसबुटी नहर के समीप कार्रवाई की, जहाँ पुलिस को देख तस्कर सड़क पर ही बालू गिराकर फरार हो गए। पुलिस ने यहाँ से दो ट्रैक्टरों को जब्त किया है। इन दोनों ही मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और फरार चालकों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

रेल पुलिस ने विक्षिप्त किशोर को परिजनों को सौंपा

बीएनएम @ शेखपुराः रेल पुलिस ने झाझा स्टेशन पर रामपुरहाट ट्रेन से उतरे एक 15 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक, रौशन कुमार को बरामद किया है। युवक की पहचान उसके हाथ पर गोदना (Tattoo) से लिखे मोबाइल नंबर और पते के आधार पर हुई। रेल थानाध्यक्ष सच्चिदानंद प्रसाद ने बताया कि यात्रियों की सूचना पर पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए हाथ पर अंकित नंबर के जरिए परिजनों से संपर्क किया। युवक बाढ़ (NTPC) निवासी सुले यादव का पुत्र है। सूचना पाकर युवक की माँ सारो देवी और मौसी रेल थाना पहुँचीं, जिसके बाद पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई कर सुरक्षित रूप से बच्चे को उन्हें सुपुर्द कर दिया।

टहवा गांव में रास्ते का विवाद बना रणक्षेत्र, 9 जख्मी

बीएनएम @ जमुई/झाझाः झाझा थानाक्षेत्र के टहवा गांव में शुक्रवार की सुबह करीब 9:30 बजे रास्ते के पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। वर्ष 2020 से चल रहे इस विवाद और अदालती मुकदमे की रंजिश ने अचानक मारपीट का रूप ले लिया, जिसमें दोनों पक्षों के कुल 9 लोग घायल हो गए। घायलों में एक पक्ष से रुकसाना खातून, मो. तनवीर, मो. तमजीर व मो. हैदर, जबकि दूसरे पक्ष से सफीक अंसारी, मो. फहीम, फमीदा, नगमा और समशा खातून शामिल हैं। सभी का इलाज स्थानीय रेफरल अस्पताल (CHC) में कराया गया।पहले पक्ष के तमजीर का आरोप है कि पंचायत के फैसले के बावजूद दूसरे पक्ष ने मुकदमा वापस नहीं लिया और शुक्रवार को घर पर आकर लोहे की रॉड व लाठियों से हमला कर दिया। वहीं, दूसरे पक्ष के सफीक अंसारी ने बताया कि उन्हें गवाही देने से रोका जा रहा है और घर के पास झाड़ू लगाने के विवाद में उनके दिव्यांग बेटे व परिवार पर हमला किया गया। सफीक ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षियों ने स्वयं के पुराने ऑटो में आग लगाकर उन्हें फंसाने की साजिश रची और सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। दोनों पक्षों ने झाझा थाना पहुंचकर पुलिस को मामले की लिखित सूचना दी है।

अंचल कार्यालय में जनसुनवाई

बीएनएम @ रजौली। रजौली अंचल कार्यालय में 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के तहत शुक्रवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया। अंचलाधिकारी (सीओ) मो. गुफरान मजहरी ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए 13 ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उदय कुमार सिंह, मनोज प्रसाद, पिंकी देवी और ओमप्रकाश विश्वकर्मा समेत अन्य लोगों ने जमीन विवाद, दाखिल-खारिज, जमाबंदी, परिमार्जन और सीमांकन से जुड़ी शिकायतें पेश कीं।सीओ ने प्रत्येक मामले की समीक्षा कर उनके त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आम जनता को सूचित किया कि अंचल कार्यालय में प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जाती है। नागरिक अपनी राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए इन निर्धारित दिनों पर उपस्थित होकर सीधे अपनी बात रख सकते हैं।

नशेड़ी पति गिरफ्तार

बीएनएम @ मेसकौर(नवादा): नवादा जिले के मेसकौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढरा गांव में शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट करने का एक मामला सामने आया है। आरोपी सनी कुमार अक्सर नशे की हालत में अपनी पत्नी को प्रताड़ित करता था, जिससे तंग आकर पीड़िता ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष कन्हैया कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को नशे की हालत में गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल पुष्टि के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में नवादा जेल भेज दिया गया है।

117 लीटर शराब जब्त , धंधेबाज फरार

बीएनएम @ रजौली। शराब और शराब धंधेबाजों के खिलाफ रजौली पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने रजौली थाना क्षेत्र के गांगन बुजुर्ग से 117 लीटर देसी शराब को जप्त कर लिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रंजीत कुमार के निर्देश पर थाने के एएसआई अमित कुमार के द्वारा की गई छापेमारी में 117 लीटर देसी शराब को जप्त कर लिया गया। हालांकि पुलिस को देखते ही शराब धंधेबाज भागने में सफल रहे। जप्त की गई देसी शराब को रजौली थाने लाया गया और फरार धंधेबाज के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत रजौली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई|

45 मरीजों की हुई नेत्र जांच

बीएनएम @ रजौली। शुक्रवार को बुनियाद केंद्र रजौली में नेत्र सहायक सुमन सौरभ के द्वारा प्रखंड क्षेत्र से आए हुए 45 मरीजों की नेत्र जांच की गई। बुनियाद केंद्र के कर्मियों ने बताया कि रजौली प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों से कुल 45 मरीज बुनियाद केंद्र रजौली पहुंचे थे। बुनियाद केंद्र में पहुंचे सभी मरीजों का नेत्र सहायक सुमन सौरव के द्वारा नेत्र जांच किया गया। नेत्र जांच करने के बाद सभी मरीजों को आवश्यक परामर्श भी दिया गया। साथ ही सभी 45 मरीजों को मौके पर ही निःशुल्क चश्मा का वितरण किया गया। मौके पर सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट गौरव कुमार, कार्यालय सहायक बलेंद्र कुमार, मंटू कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

सचिवों व सहायकों का प्रशिक्षण आयोजित

बीएनएम @ नारदीगंज(नवादा) प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए शुक्रवार को प्रशिक्षण आयोजित हुई। कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड मुख्यालय में उजला भवन में हुआ। अध्यक्षता बीडीओ सोनिया ढनढननिया ने की। प्रखंड सांखियकि पदाधिकारी प्रियरंजन ने उपस्थित पंचायत सचिव व कार्यपालक सहायक को जन्म मृत्यु से सम्बंधित प्रमाणपत्र बनाने के लिए विस्तार पूर्वक जानकारी दी। मौके पर पंचायत सचिव जितेंद्र कुमार, रवि कुमार,पम्मी कुमारी,शशि कुमार,कार्यपालक सहायक दीपेश कुमार, गौरी कुमारी,सलोनी कुमारी,दीपक कुमार दिनकर,प्रधान लिपिक दीपक कुमार, प्रखंड मूल्यांकन सह अनुश्रवण पदाधिकारी जितेन्द्र कुमार समेत अन्य रहे।

महाशिवरात्रि की तैयारियों का जायजा लेने मंदिर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी

बीएनएम @ अरेराज

देवाधिदेव महादेव की आराधना के महापर्व महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ऐतिहासिक श्री सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार ने मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं सुविधा व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान मंदिर के पीठाधीश्वर रविशंकर गिरि महाराज के सानिध्य में आगामी महोत्सव के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। निरीक्षण के क्रम में एसडीओ अंजली शर्मा और एसडीपीओ रवि कुमार ने मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन के लिए की गई बैरिकेडिंग की स्थिति का जायजा लिया, ताकि जलाभिषेक हेतु आने वाले हजारों शिवभक्तों के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। अंचलाधिकारी उदय सिंह एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य दीक्षित को पूरे मेला क्षेत्र में पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु कड़े निर्देश दिए गए। साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पूरे मंदिर मार्ग और मेला परिसर में समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि रात्रि में श्रद्धालुओं को कोई कठिनाई न हो। सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर भी प्रशासन गंभीर दिखा। मंदिर प्रांगण में स्थापित मेडिकल कैंप का निरीक्षण करते हुए वहां प्रतिनियुक्त स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की सघन जांच की गई। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के साथ कल निकलने वाली भव्य 'शिव बारात' के रूट प्लान पर विस्तार से मंथन किया गया, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन दस्ता (फायर ब्रिगेड) और एम्बुलेंस की तैनाती को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। प्रशासन की इस सक्रियता और पीठाधीश्वर रविशंकर गिरि महाराज के मार्गदर्शन से यह स्पष्ट है कि इस बार महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन का सुखद अनुभव प्राप्त होगा।

सुगौली रेलवे स्टेशन चरस जब्ती मामलाः कोर्ट में पेश करने पर निकली ईंट, जांच में कई अधिकारी दोषी

बीएनएम @सुगौली @ मृत्युंजय कुमार पाण्डेय

सुगौली रेलवे स्टेशन पर मार्च 2025 में लावारिस हालत में बरामद 24 किलो चरस के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस द्वारा जब्त मादक पदार्थ को जब 58 दिनों बाद अदालत में प्रस्तुत किया गया, तो चरस की जगह ईंट पाए जाने से पूरी जब्ती प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह मामला 5 मार्च 2025 को सुगौली रेल थाना में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। उस समय पुलिस ने स्थानीय अंचलाधिकारी की मौजूदगी में जब्ती सूची तैयार की थी। रेल डीएसपी उमेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 24 किलो चरस बरामद होने की पुष्टि भी की थी। लेकिन 2 मई को जब रेल पुलिस मालखाने से बरामद मादक पदार्थ को अदालती कार्यवाही के लिए प्रस्तुत किया गया, तो वहां चरस के स्थान पर ईंट मिलने से पुलिस अभिरक्षा में रखे गए जब्त सामान की सुरक्षा और पूरी प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लग गया। मामले की जांच के लिए रेल एसपी, आरपीएफ कमांडेंट और मोतिहारी के एडीएम को शामिल करते हुए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई थी। जांच रिपोर्ट में गंभीर लापरवाही और अनियमितता सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार जीआरपी थानाध्यक्ष, केस के अनुसंधानकर्ता (आईओ) और जब्ती सूची तैयार करने वाले सुगौली अंचलाधिकारी को दोषी पाया गया है। साथ ही रेल डीएसपी को मामले की समुचित मॉनिटरिंग नहीं करने का भी जिम्मेदार ठहराया गया है। रेल एसपी ने बताया कि जांच रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भेज दी गई है। मुख्यालय से निर्देश मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ आपराधिक मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा।

झाझा स्टेशन पर परखा गया एजेंसियों का रिस्पांस टाइम

बीएनएम @जमुई / झाझा

झाझा में हाई-लेवल रेल मॉकड्रिल

झाझा रेलवे स्टेशन पर भारतीय रेल द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और आपातकालीन तैयारियों को परखने के लिए एक भव्य मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। शुक्रवार को स्टेशन के एनपीओ क्षेत्र में ट्रेन डिरेल (पटरी से उतरने) की कृत्रिम स्थिति पैदा की गई, ताकि विभिन्न सुरक्षा और बचाव एजेंसियों के रिस्पांस टाइम और समन्वय की जांच की जा सके। इस अभ्यास में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी, स्थानीय पुलिस-प्रशासन, फायर ब्रिगेड और डॉक्टरों की विशेष टीम ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया।मॉकड्रिल के दौरान इलेक्ट्रॉनिक कटर से ट्रेन के डिब्बों को काटकर फंसे हुए यात्रियों को निकालने का सजीव रिहर्सल किया गया। दानापुर के एडीआरएम राजीव कुमार ने बताया कि इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपातकाल के समय राज्य सरकार, एनडीआरएफ और रेलवे के बीच बेहतर तालमेल (लायजनिंग) स्थापित करना है। यह सुनिश्चित किया गया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही सभी एजेंसियां न्यूनतम समय में घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर सकें। इस दौरान एम्बुलेंस और मेडिकल पैनल की सक्रियता को भी परखा गया। भविष्य में किसी भी संभावित रेल दुर्घटना की स्थिति में जान-माल के नुकसान को कम करने और यात्रियों को त्वरित सहायता पहुँचाने के लिए यह रिहर्सल अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

डीएसपी कुमार चंदन को एसपी ने किया सम्मानित, उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए सम्मान मिला

बीएनएम @पकड़ीदयाल

पकड़ीदयाल अनुमंडल के डीएसपी कुमार चंदन को उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली, त्वरित केस निष्पादन और प्रभावी पुलिसिंग के लिए सम्मानित किया गया है। जिला पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने गुरुवार देर रात उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। यह सम्मान अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। डीएसपी कुमार चंदन के नेतृत्व में अनुमंडल क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा हुआ है। उन्होंने गंभीर मामलों के अनुसंधान में तेजी लाने के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया, जिससे कार्य प्रणाली अधिक प्रभावी बनी। उनके निर्देशन में लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी आई है, जिससे पीड़ितों को समय पर न्याय सुनिश्चित हुआ। डीएसपी कुमार चंदन की कार्यशैली को सख्ती और संवेदनशीलता का संतुलित उदाहरण माना जाता है। वे नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर जनता से संवाद स्थापित करते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं। आम लोगों के साथ उनके बेहतर तालमेल और पारदर्शी कार्यप्रणाली में उन्हें अनुमंडल क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि बेहतर पुलिसिंग और टीमवर्क से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने डीएसपी कुमार चंदन के कार्यों की सराहना करते हुए अन्य पुलिस अधिकारियों को भी उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस सम्मान से पुलिस विभाग का मनोबल बढ़ने के साथ-साथ क्षेत्र की जनता में भी सुरक्षा के बारे में मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों ने डीएसपी को बधाई दी है और उम्मीद जताई है कि उनकी सक्रियता से क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहेगी।

जमुई के श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम में आज दिखेगा असली दंगल

» 1975 की अजेय गदा के लिए मचेगा घमासान

बीएनएम @ जमुई

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे भव्य उद्घाटन

बिहार की गौरवशाली खेल परंपरा और अखाड़ा संस्कृति को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से जमुई के श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम में दो दिवसीय 'माटी का बल दंगल' प्रतियोगिता का भव्य आगाज हो रहा है। खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और बिहार कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस ऐतिहासिक दंगल में देशभर के दिग्गज पहलवान अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण वह प्रतिष्ठित चांदी की गदा है, जिसे पूर्व 'बिहार केसरी' विश्वनाथ सिंह ने 1975 में अपनी अजेय कुश्ती के बल पर जीता था और अब पांच दशकों बाद उन्होंने इसे नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए इस मंच को समर्पित कर दिया है। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन शनिवार अपराह्न तीन बजे बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह और बिहार कुश्ती संघ के अध्यक्ष विशाल सिंह मौजूद रहेंगे।प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक प्रबंध किए हैं, जिसमें करीब 300 महिला एवं पुरुष पहलवानों के ठहरने की व्यवस्था गिद्धौर में की गई है। जिलाधिकारी नवीन कुमार ने गदा प्रदर्शन वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और नागरिकों से भारी संख्या में स्टेडियम पहुंचकर पहलवानों का उत्साहवर्धन करने की अपील की। डीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिकता के युग में विलुप्त हो रही अखाड़ा संस्कृति और पारंपरिक कुश्ती को सहेजने के लिए यह आयोजन एक मील का पत्थर साबित होगा। रविवार रात्रि नौ बजे तक दूधिया रोशनी में चलने वाले इस दंगल से न केवल ग्रामीण प्रतिभाओं को उचित मंच मिलेगा, बल्कि युवाओं का जुड़ाव हमारी सांस्कृतिक और पौराणिक विरासत से भी गहरा होगा। जमुई का यह अखाड़ा आज और कल माटी के लालों की दहाड़ से गूंजने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हरसिद्धि सीएचसी में फार्मासिस्ट विश्वनाथ प्रसाद के निधन पर शोक सभा, दी गई श्रद्धांजलि

बीएनएम @ हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में पदस्थापित फार्मासिस्ट विश्वनाथ प्रसाद के आकस्मिक निधन पर शुक्रवार को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा शोक सभा आयोजित की गई। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक सभा में उपस्थित सहकर्मियों ने विश्वनाथ प्रसाद के मिलनसार स्वभाव , कर्तव्यनिष्ठा और रोगियों के प्रति समर्पित सेवा को याद किया। उन्होंने कहा कि सेवा अवधि के कुछ ही वर्ष शेष रहने के बावजूद वे हमेशा पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहे। उनके सौम्य व्यवहार और कार्यशैली को स्वास्थ्य केंद्र के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। इस अवसर पर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बृजेश प्रसाद, डॉ. ओम प्रकाश, बीएचएम शशिकांत श्रीवास्तव, रवि कुमार शर्मा, परिवार नियोजन परामर्शी रक्षा कुमार, जीएनएम सीमा कुमारी, श्रद्धा कुमारी, पायल प्रिया, पूजा, विजय कुमार, मोहम्मद मोबिन, डीईओ विजय कुमार, छोटन कुमार, जनमेजय कुमार, दीपू कुमार, विनय पटेल, अविनाश कुमार, विनय कुमार दुबे, प्रमोद कुमार और सोनू कुमार सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। विश्वनाथ प्रसाद लंबे समय से सीएचसी में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनके निधन से स्वास्थ्य विभाग और परिवार में गहरा शोक व्याप्त है। सहकर्मियों ने उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कोचिंग की छत से गिरकर छात्रा की संदिग्ध मौत,तीन गिरफ्तार

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

बीएनएम @ पटना

राजधानी के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के हरिनगर इलाके से छात्राओं की सुरक्षा को लेकर एक दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ कोचिंग पढ़ने आई एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि छात्रा कोचिंग सेंटर की छत से गिर गई थी। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जाँच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, एक सीसीटीवी फुटेज हाथ लगा है जिसमें छात्रा को ऊपर से गिरते हुए देखा गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कोई हादसा है, आत्महत्या है या किसी गहरी साजिश का हिस्सा। एफएसएल (FSL) की टीम को साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया गया है।इधर, अस्पताल पहुँचे परिजनों ने इसे 'सुनियोजित हत्या' करार दिया है। उनका कहना है कि जिस दिशा से छात्रा के गिरने की बात कही जा रही है, वहाँ उसका जाना ही संदिग्ध है। परिजनों के भारी हंगामे और हत्या की आशंका के बीच पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जाँच के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ पाएगी। फिलहाल, पुलिस सभी संभावित एंगल से मामले की गंभीरता से पड़ताल कर रही है।

मगध विश्वविद्यालय का 65वाँ स्थापना दिवस 1 मार्च को

बीएनएम @ गयाजी

वर्ष 1962 में स्थापित मगध विश्वविद्यालय, बोधगया आगामी 1 मार्च को अपना 65वाँ स्थापना दिवस भव्य रूप में मनाने जा रहा है। इस गौरवशाली अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक विशेष समारोह का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री डॉ. अशोक चौधरी, उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल और विधानपरिषद के सभापति डॉ. अवधेश नारायण सिंह का विशिष्ट अतिथि के रूप में आगमन संभावित है। समारोह के दौरान परीक्षा विभाग के नए भवनों का शिलान्यास भी किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय की ढांचागत प्रगति में एक नया अध्याय जोड़ेगा।कुलपति प्रो. शशि प्रताप शाही के कुशल नेतृत्व में पिछले तीन वर्षों में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्रों को नियमित करने और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। वर्तमान में गया, औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद और अरवल जिलों में फैले 20 अंगीभूत एवं 70 से अधिक संबद्ध कॉलेजों के साथ यह संस्थान 40 से अधिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 1991 में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय और 2018 में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के विभाजन के बावजूद मगध विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक गरिमा बनाए रखी है। नवंबर 2025 में एक दशक बाद दीक्षांत समारोह का सफल आयोजन और हाल ही में राज्य के पहले 'कॉफ़ी टेबल बुक' का लोकार्पण इसकी बड़ी उपलब्धियां रही हैं। अब विश्वविद्यालय एआई और कंप्यूटर साइंस जैसे आधुनिक विषयों की शुरुआत कर भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है। यह स्थापना दिवस संस्थान की 65 वर्षों की संघर्षपूर्ण और सफल यात्रा को याद करने का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

प्रकाशन के इंतजार में नरावणे की किताब

सत्ता पक्ष के मुताबिक चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? बेहतर होगा कि प्रकाशन की मंजूरी अविलंब दी जाए।

पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की किताब लगभग 21 महीनों से प्रकाशन के इंतजार में है, क्योंकि उसे केंद्र से हरी झंडी नहीं मिली है। अब उस किताब में वर्णित बातों को लेकर एक अंग्रेजी पत्रिका ने लंबी रिपोर्ट छापी है। उसमें शामिल एक प्रकरण का हवाला विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा में देना चाहते थे। मगर सत्ता पक्ष की आपत्तियों के बीच स्पीकर ने इसकी इजाजत नहीं दी। बहरहाल, कांग्रेस ने उस पूरी रिपोर्ट को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर डाल कर उसे जनमत के बड़े हिस्से तक पहुंचा दिया है। इसके मुताबिक अगस्त 2020 में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण कैलाश रेंज की चोटी पर भारतीय फौज के नियंत्रण के बाद चीन ने हमला करने की तैयारी की थी। जब टैंकों समेत चीनी सेना की टुकड़ियां आगे बढ़ रही थीं, तब तत्कालीन सेनाध्यक्ष नरावणे ने बार-बार रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, और विदेश मंत्री को फोन कर जवाबी कार्रवाई के लिए निर्देश मांगे। मगर इस पर घंटों तक टाल-मटोल की गई। आखिरकार प्रधानमंत्री से चर्चा के बाद राजनाथ सिंह ने उन्हें निर्देश दिया- जो उचित लगे, वह करें। स्पष्टतः ये प्रकरण वर्तमान सरकार की नेतृत्व क्षमता एवं संकल्प शक्ति को कठघरे में खड़ा करता है। सेना युद्ध संबंधी फौरी (टैक्टिल) फैसले ले सकती है, लेकिन ऑपरेशनल एवं रणनीतिक निर्णय लेने की स्थिति में सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व होता है। रिपोर्ट के मुताबिक जनरल नरावणे के सामने कई कठिन प्रश्न थे। कोरोना के कारण देश अस्त-व्यस्त था, जिससे मोर्चों पर सहज सप्लाई को लेकर आशंकाएं थीं। फिर युद्ध फैलता, तो विदेश नीति एवं कूटनीति संबंधी उसके परिणामों का आकलन सरकार ही कर सकती थी। मगर उस कठिन घड़ी में केंद्र ने जिम्मेदारी सेनाध्यक्ष पर टाल दी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता।

वैलेंटाइन डे प्यार के उत्सव का नया बाजार

हर्षवर्धन पान्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड का हो गया है। आज जहाँ इजहार और इकरार करने के तौर तरीके बदल गए हैं वहीँ इंटरनेट के इस दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। पहली बार शहरी चकाचौंध से इतर प्यार का यह उत्सव एक बड़ा बाजार को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। आज युवा भी इसकी गिरफ्त में पूरी तरह से नजर आते है तभी तो शहरों से लेकर कस्बो तक वैलेंटाइन का जलवा देखते ही बनता है। आलम यह है ये बड़ा उत्सव बन चुका है जो भारतीयों में तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है। वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की माने तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरू थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नही सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवको के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया। किन्दवंतियो की मानें तो संत वैलेंटाइन के क्लाउडियस के इस फेसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फासी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा वैलेंटाइन डे मनाते हैं। 1260 में संकलित की गई ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए। कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरमियान हो गई। यहाँ इस पर नई मान्यता यह है ईसाईयों के प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन । आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था तुम्हारा वेलेंटाइन। 14 फरवरी के बहाने जिसे बाद में इस संत के नाम पूरे विश्व में निःस्वार्थ प्रेम से मनाया जाने लगा। यही नहीं वैलेंटाइन के बारे में कुछ अन्य बातें भी है। इसके अनुसार तर्क यह दिए जाते है प्राचीन रोम के प्रसिद्ध पर्व ल्युपरकेलिया के ईसाईकरण की याद में मनाया जाता है। यह पर्व रोमन साम्राज्य के संस्थापक रोम्योलुयास और रीमस की याद में मनाया जाता है। इस आयोजन पर रोमन धर्मगुरु उस गुफा में एकत्रित होते थे जहाँ एक मादा भेडिये ने रोम्योलुयास और रीमस को पाला था इस भेडिये को ल्युपा कहते थे और इसी के नाम पर उस त्यौहार का नाम ल्युपर केलिया पड़ गया। इस अवसर पर वहां बड़ा आयोजन होता था। लोग अपने घरो की सफाई करते थे साथ ही अच्छी फसल की कामना के लिए बकरी की बलि देते थे। कहा जाता है प्राचीन समय में यह परम्परा खासी लोक प्रिय हो गई। एक अन्य किंदवंती यह कहती है 14 फरवरी को फ्रांस में चिडियों के प्रजनन की शुरुआत मानी जाती थी जिस कारण खुशी में यह त्यौहार वहा प्रेम पर्व के रूप में मनाया जाने लगा। प्रेम के तार रोम से भी सीधे जुड़े नजर आते हैं। वहाँ पर क्यूपिड को प्रेम की देवी के रूप में पूजा जाने लगा जबकि यूनान में इसको इरोश के नाम से जाना जाता था। प्राचीन वैलेंटाइन संदेश के बारे में भी लोगो में एकरूपता नजर नही आती। कुछ ने माना है कि यह इंग्लैंड के राजा ड्यूक ने लिखा जो आज भी वहां के म्यूजियम में रखा हुआ है। आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलके बिछाये बैठे रहते हैं। भईया प्रेम का इजहार जो करना है ? वैलेन्टाइन प्रेमी इसको प्यार का इजहार करने का दिन बताते है। यूँ तो प्यार करना कोई गुनाह नही है लेकिन जब प्यार किया ही है तो इजहार करने मे देर नही होनी चाहिए लेकिन अभी का समय ऐसा है जहाँ युवक युवतिया प्यार की सही परिभाषा नही जान पाये हैं। वह इस बात को नहीं समझ पा रहे है प्यार को आप एक दिन के लिए नहीं बाँध सकते। वह तो प्यार को हंसी मजाक का खेल समझ रहे है। आज का प्यार मैगी के नूडल जैसा बाजारू बन गया है जो दो मिनट चलता है। सच्चे प्रेमी के लिए तो पूरा साल प्रेम का प्रतीक बना रहता है लेकिन आज के बाजार ने प्यार की परिभाषा बदल दी है। इसका प्रभाव यह है 14 फरवरी को प्रेम दिवस का रूप दे दिया गया है जिसके चलते संसार भर के कपल प्यार का इजहार करने को उत्सुक रहते हैं। जहां चीन में यह दिन नाइट्स ऑफ सेवेन्स प्यार करने वालों के लिए खास होता है, वहीं जापान व कोरिया में इस पर्व को वाइट डे का नाम से जाना जाता है। इतना ही नहीं, इन देशों में इस दिन से पूरे एक महीने तक लोग अपने प्यार का इजहार करते हैं। आज 14 फरवरी का कितना महत्व बढ गया है इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है इस अवसर पर बाजारों में खासी रौनक छा जाती है। गिफ्ट सेंटर में उमड़ने वाला सैलाब, चहल पहल इस बात को बताने के लिए काफी है यह किस प्रकार आम आदमी के दिलो में एक बड़े पर्व की भांति अपनी पहचान बनने में कामयाब हुआ है। इस अवसर पर प्रेमी होटलों , रेस्तारा में देखे जा सकते हैं। यूं तो हमारी संस्कृति में प्रेम को परमात्मा का दूसरा रूप बताया गया है अतः प्रेम करना गुनाह और प्रेम का विरोधी होना सही नहीं होगा लेकिन वैलेंटाइन के नाम पर जिस तरह का पश्चिमीपरस्त विस्तार हो रहा है वह सही नहीं है। वैसे भी यह प्रेम की स्टाइल भारतीय जीवन मूल्यों से किसी तरह मेल नहीं खाती। आज का वैलेंटाइन डे भारतीय काव्य शास्त्र में बताये गए मदनोत्सव का पश्चिमी संस्करण प्रतीत होता है लेकिन बड़ा सवाल जेहन में हमारे यह आ रहा है क्या आप प्रेम जैसे चीज को एक दिन के लिए बाध सकते है? शायद नहीं। एक समय ऐसा था जब राधा, कृष्ण , मीरा वाला प्रेम हुआ करता था जो आज के वैलेंटाइन प्रेमियों का जैसा नहीं होता था। आज लोग प्यार के चक्कर में बर्बाद हो रहे है। हीर- रांझा, लैला- मजनू रोमियो-जूलियट के प्रसंगों का हवाला देने वाले हमारे आज के प्रेमी यह भूल जाते है मीरा वाला प्रेम सच्ची आत्मा से सम्बन्ध रखता था। आज तो प्यार बाहरी आकर्षण की चीज बनती जा रही है। प्यार को गिफ्ट और पॉकेट में तोला जाने लगा है। वैलेंटाइन के प्रेम में फसने वाले कुछ युवा सफल तो कुछ असफल साबित होते है। जो असफल हो गए तो समझ लो बरबाद हो गए क्युकि यह प्रेम रुपी बग बड़ा खतरनाक है। एक बार अगर इसकी जकड में आप आ गए तो यह फिर भविष्य में भी पीछा नहीं छोडेगा। असफल लोगों के तबाह होने के कारण यह वैलेंटाइन डे घातक बन जाता है। वैलेंटाइन के नाम पर आज हमारे समाज में जिस तरह की उद्दंडता हो रही है वह चिंतनीय ही है। संपन्न तबके साथ आज का मध्यम वर्ग और अब निम्न तबका भी इसके मकड़ जाल में फसकर अपना पैसा और समय दोनों ख़राब करते जा रहे है। आज वैलेंटाइन की स्टाइल बदल गई है। गुलाब, गिफ्ट दिए,पार्टी में थिरके बिना काम नही चलता। यह मनाने के लिए आपकी जेब गर्म होनी चाहिए। यह भी कोई बात हुई क्या जहाँ प्यार को अभिव्यक्त करने के लिए जेब की बोली लगानी पड़ती हो ? आज के समय में वैलेंटाइन प्रेमियों की तादात बढ रही है। साल -दर -साल। इस बार भी प्रेम का सेंसेक्स पहले से ही कुलाचे मार रहा है।

भारतीय राजनीति की सशक्त और संवेदनशील आवाज़ थी सुषमा स्वराज

सुरेन्द्र शर्मा

सुषमा स्वराज भारतीय राजनीति की उन विरल हस्तियों में से थीं जिन्होंने अपने व्यक्तित्व, वाक्पटुता, संवेदनशीलता और कार्यकुशलता से जनमानस में विशेष स्थान बनाया। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक प्रेरणास्रोत, कुशल प्रशासक और करुणामयी नेता थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता के रूप में उन्होंने लंबे समय तक देश की सेवा की और विशेष रूप से भारत की विदेश मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल ऐतिहासिक माना जाता है। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और सेवा का प्रतीक है।। सुषमा स्वराज का जन्म 14 फरवरी 1952 को हरियाणा के अंबाला कैंट में हुआ था। उनके पिता श्री हरदेव शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे, जिससे बचपन से ही उनके भीतर राष्ट्रसेवा की भावना विकसित हुई। उन्होंने अंबाला के सनातन धर्म कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की और इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से विधि (एल.एल.बी.) की डिग्री प्राप्त की। छात्र जीवन में वे एक उत्कृष्ट वक्ता और सक्रिय छात्रनेता रहीं। वे कई बार 'सर्वश्रेष्ठ वक्ता' का पुरस्कार जीत चुकी थीं, जिससे उनकी भाषण कला का अंदाजा लगाया जा सकता है। सुषमा स्वराज ने बहुत कम आयु में राजनीति में प्रवेश किया। मात्र 25 वर्ष की उम्र में वे हरियाणा विधानसभा की सदस्य बनीं और 27 वर्ष की आयु में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री बन गईं। उस समय वे देश की सबसे कम उम्र की कैबिनेट मंत्री थीं। यह उनकी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और दृढ़ निश्चय का प्रमाण था। उन्होंने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाई और जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से भी जुड़ी रहीं। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के बाद सुषमा स्वराज ने पार्टी के संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे कई बार लोकसभा और राज्यसभा की सदस्य रहीं। वर्ष 1998 में वे दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं, हालांकि उनका कार्यकाल अल्पकालिक रहा। इसके बाद उन्होंने केंद्र सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली। हर पद पर उन्होंने दक्षता और ईमानदारी से कार्य किया। सुषमा स्वराज की पहचान एक ओजस्वी वक्ता के रूप में भी रही। संसद में उनके भाषण तार्किक, प्रभावशाली और मर्यादित होते थे। वे विपक्ष में रहते हुए भी अपनी बात मजबूती से रखती थीं और सत्ता में रहते हुए भी लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करती थीं। वे हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में समान दक्षता से बोलती थीं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण विशेष रूप से सराहा गया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को मजबूती प्रदान की। नेता प्रतिपक्ष के रूप में सुषमा स्वराज भारतीय संसदीय लोकतंत्र में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह पद केवल सरकार की आलोचना करने तक सीमित नहीं होता, बल्कि सरकार को जवाबदेह बनाने, नीतियों की समीक्षा करने और जनता की आवाज़ को संसद में प्रभावी ढंग से उठाने का दायित्व भी निभाता है। सुषमा स्वराज ने वर्ष 2009 से 2014 तक 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने अपनी वाक्पटुता, तर्कशक्ति, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से इस पद की गरिमा को नई ऊँचाई दी नेता प्रतिपक्ष के रूप में सुषमा स्वराज की सबसे बड़ी पहचान उनकी प्रभावशाली और मर्यादित वक्तृत्व शैली थी। वे अपने भाषणों में तथ्यों, तर्कों और उदाहरणों का संतुलित उपयोग करती थीं। उनकी भाषा में तीखापन तो होता था, लेकिन वह कभी व्यक्तिगत कटाक्ष या असंसदीय शब्दों तक नहीं पहुँचता था। वे सरकार की नीतियों की कठोर आलोचना करती थीं, परंतु सदैव संसदीय मर्यादा का पालन करती थीं। जब भी संसद में कोई महत्वपूर्ण विधेयक या मुद्दा चर्चा के लिए आता, सुषमा स्वराज विपक्ष की ओर से स्पष्ट और सुविचारित दृष्टिकोण प्रस्तुत करती थीं। उनकी बातों को गंभीरता से सुना जाता था, क्योंकि वे केवल विरोध के लिए विरोध नहीं करती थीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव भी देती थीं। भ्रष्टाचार के मुद्दों पर मुखर भूमिका 15वीं लोकसभा के दौरान केंद्र में तत्कालीन सरकार के विरुद्ध कई बड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगे, जैसे 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला आवंटन घोटाला (कोलगेट), कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला आदि। इन मुद्दों पर सुषमा स्वराज ने विपक्ष की ओर से सशक्त आवाज़ उठाई। उन्होंने संसद में इन मामलों की निष्पक्ष जाँच और जवाबदेही की मांग की। कई बार संसद में गतिरोध की स्थिति बनी, लेकिन उनका तर्क था कि जब तक गंभीर आरोपों पर स्पष्टता नहीं आएगी, तब तक सरकार को जवाब देना होगा। उनके नेतृत्व में विपक्ष ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग उठाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बनाया। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा सुषमा स्वराज का मानना था कि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की पक्षधर थीं। जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति या किसी आपात स्थिति से जुड़ा मुद्दा आता, वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देती थीं उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय सुरक्षा या आतंकवाद जैसे विषयों पर उन्होंने सरकार को समर्थन दिया, साथ ही आवश्यक प्रश्न भी उठाए। यह संतुलन उनके परिपक्व नेतृत्व का प्रमाण था। महिला नेतृत्व की सशक्त छवि नेता प्रतिपक्ष के रूप में सुषमा स्वराज का कार्यकाल भारतीय राजनीति में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति का भी प्रतीक था। वे लोकसभा में इस महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने वाली पहली पूर्णकालिक महिला नेता थीं। उनकी उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि महिलाएँ भी संसदीय राजनीति में उच्चतम स्तर पर प्रभावी नेतृत्व कर सकती हैं वे महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों पर विशेष रूप से संवेदनशील थीं। उन्होंने महिला सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर सरकार को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया। संवाद और सहमति की राजनीति सुषमा स्वराज केवल आक्रामक विपक्षी नेता नहीं थीं, बल्कि वे संवाद और सहमति की राजनीति में विश्वास रखती थीं। वे सत्ता पक्ष के नेताओं से व्यक्तिगत स्तर पर भी सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखती थीं। इससे संसद में कई बार जटिल मुद्दों पर सहमति बनाने में सहायता मिली उनकी राजनीतिक शैली में कटुता की बजाय दृढ़ता और स्पष्टता थी। वे मतभेद रखती थीं, परंतु मनभेद नहीं। यही कारण था कि सत्ता पक्ष के कई नेता भी उनका सम्मान करते थे। जनहित के मुद्दों की प्रभावी पैरवी नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्होंने महंगाई, किसानों की समस्याएँ, बेरोजगारी, आंतरिक सुरक्षा और आर्थिक नीतियों जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। वे आम जनता की परेशानियों को संसद तक पहुँचाने का माध्यम बनीं। उनका उद्देश्य केवल सरकार को घेरना नहीं, बल्कि जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देना था। संसदीय गरिमा और नैतिकता सुषमा स्वराज की एक विशेषता यह थी कि वे संसदीय परंपराओं और मर्यादाओं का गहरा सम्मान करती थीं।

मेष राशि- आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीचसामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। आज मनोरंजन में पैसे खर्च हो सकते हैं, इससे आपको आनंद की प्राप्ति होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए भी आज का दिन अच्छा है, पढ़ाई में मन लगेगा।

वृष राशि- आज का दिन सामजिक कार्यों में लगा रहेगा। समाजिक सुधार के कारण आपके पड़ोसी आपकी तारीफ कर सकते है और साथ ही आपका पूरा साथ देंगे। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। धर्म के सिलसिले में किसी पंडाल में भी जा सकते है। कला के क्षेत्र में रुझान वालों के लिए आज का दिन रोमांचक रहने वाला है। किसी बड़ी ऑर्गनाइजेशन की तरफ से आपके कला को सबके सामने प्रस्तुत कर सकते है। जिससे आपकी बहुत ज्यादा तारीफ हो सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में आज आपको अच्छे ऑफर आ सकते है।

कर्क राशि- आज का दिन बेहतरीन होगा। परिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा।आज आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हो। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है। बेरोजगारों को आज नौकरी मिलने का योग बन रहा है। इस राशि वालों के आज रुके हुए सारे काम हो जाएंगे।

सिंह राशि- आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आने का योग बन रहा है। आपके व्यापार में दो गुना वृद्दि होने के चांस बन रहे है। आज परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान बन सकता है। लवमेट वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके परिवार के बीच आपके रिश्तों की बात हो सकती है। जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

कन्या राशि- आज का दिन किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से हो जाएंगे। संगीत में रुझान वालों के लिए आज के दिन किसी बड़े शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप अपने स्कूलमेट दोस्तों के साथ कहीं बाहर जाने का प्लान बना सकता है। पूरा दिन काफी इंज्वाय फूल रहेगा। साथ ही किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जा सकते हो।

तुला राशि- आज का दिन लॉ के स्टूडेंट्स के लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। कॉलेज से मिले प्रोजेक्ट को आज सीनियर्स की मदद से पूरा करने से आपके अच्छे मार्कस प्राप्त हो सकते है। आज पेरेंट्स को अपने बच्चों के खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। इस राशि के कर्मचारियों के लिए आज दिन अच्छा है।

वृश्चिक राशि- आज का दिन लवमेट वालों के लिए खुशनुमा रहने वाला है। ऑफिस के किसी काम में आ रही बाधाएं आज खत्म हो जाएंगी। विवाहित आज जीवनसाथी से ऐसा वादा न करें जो वे पूरा न कर सकें। इससे आप दोनों के रिश्ते में खटास आ सकती है।

धनु राशि-आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इक् में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज एक्स्ट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा। जिससे खुश होकर बॉस आपकी पीठ थपथपा सकते हैं।

मकर राशि- आज का दिन पूरा समय परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार वालों के साथ रात को बाहर डिनर पर भी जा सकते हैं। आज आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं , जिससे आपको आपके बिजनेस में काफी फायदा होने वाला है।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। अगर आप नयी जमीन लेने की सोच रहे हैं तो आज खरीद सकते हैं। इससे आपको भविष्य में फायदा जरूर होगा। उसका अच्छा परिणाम आपको जरूर मिलेगा। आज स्टूडेंट के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वालों के लिए आज के दिन परिश्रम का अच्छा फल मिल सकता है।

मीन राशि- आज का दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ हो सकता है। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप उपयोगी वस्तु आज गिफ्ट कर सकते हैं। स्टूडेंट को आज अपनी पढ़ाई में बदलाव करने के लिए टाइम-टेबल मेंचेंजेस करने की जरूरत है।

वंदे मातरम्ः राष्ट्र चेतना, समर्पण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संवाद

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक, जो 30 अक्टूबर से 01 नवंबर 2025 तक मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित हुई, उसमें वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर एक संकल्प व्यक्त किया गया था, वह आज एक व्यापक सांस्कृतिक चेतना के रूप में साकार होता दिखाई देता है। संघ ने इसे राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण का सजीव प्रतीक बताया है।

वस्तुतः यदि हम इसके ऐतिहासिक संदर्भों को देखें तो वंदे मातरम् का उद्भव एक सांस्कृतिक और भावनात्मक प्रवाह के रूप में हुआ दिखता है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसे 07 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के दिन हुगली नदी के किनारे चिनसुरा में रचा। बाद में इसे उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' में स्थान मिला, जो साल 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास के माध्यम से यह गीत स्वतंत्रता चेतना का आधार बना। इतिहासकार रमेशचंद्र मजूमदार ने अपनी पुस्तक History of the Freedom Movement in India (Vol. II, पृष्ठ 41) में लिखा है कि "वंदे मातरम् ने भारतीयों के मन में राष्ट्र को मां के रूप में स्थापित करने का कार्य किया।"

राष्ट्रीय चेतना का प्रथम सार्वजनिक स्वर- कहना होगा कि अपने समय में रची गई यह सिर्फ साहित्यिक रचना नहीं थी, स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना का जयघोष था। साल 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ ठाकुर ने इसे पहली बार सस्वर गाया। अपनी पुस्तक Rabindranath Tagore: A Biography में कृष्णा कृपालानी (पृष्ठ 198) लिखते हैं कि उस दिन सभा में उपस्थित हजारों लोग मंत्रमुग्ध हो गए और वंदे मातरम् राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष बन गया।

यही वह क्षण था जब यह गीत एक सांस्कृतिक प्रतीक से आगे बढ़कर राजनीतिक और सामाजिक प्रेरणा का माध्यम बन गया। साल 1905 के बंग-भंग आंदोलन में यह गीत जन-आंदोलन का नारा बन गया। श्री अरविंद ने 20 नवंबर 1909 को अपने पत्र 'कर्मयोगिन' में इसका अंग्रेजी अनुवाद प्रकाशित किया। श्री अरविंद ने लिखा, "वंदे मातरम् सिर्फ एक गीत नहीं, यह भारत की आत्मा का स्वर है" (कर्मयोगिन, 20 नवम्बर 1909, पृष्ठ 3)।

क्रांतिकारियों और राष्ट्रनायकों का प्रेरक मंत्र- उस समय के क्रांतिकारी भी इससे गहराई से जुड़े थे। लाला लाजपत राय ने अपनी पुस्तक Young India (पृष्ठ 112) में लिखा कि "वंदे मातरम् के उद्घोष ने युवाओं में आत्मबल और स्वाधीनता का साहस जगाया।" मैडम भीकाजी कामा, सुब्रमण्यम भारती और अन्य क्रांतिकारी भी इसे अपने आंदोलनों में गाते थे। महात्मा गांधी ने भी कई पत्रों का समापन वंदे मातरम् से किया। उनके संकलन (कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी वॉल्यूम. 25, पृष्ठ 312) में इसका उल्लेख मिलता है। स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका इतनी गहरी थी कि फांसी के फंदे पर झूलते समय भी कई क्रांतिकारी इसे गुनगुनाते थे। भगत सिंह के साथी यशपाल ने अपनी पुस्तक सिंहावलोकन (पृष्ठ 89) में लिखा है कि "वंदे मातरम् हमारे लिए शब्द नहीं, बलिदान का मंत्र रहा।" स्वतंत्रता के बाद भी इसका महत्व बना रहा। 15 अगस्त 1947 को ऑल इंडिया रेडियो से पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने इसका पूर्ण संस्करण गाया। संगीतज्ञ विष्णु नारायण भातखंडे के शिष्य दिलीप कुमार राय ने इसे ध्रुपद-धमार शैली में प्रस्तुत किया। इस विषय में एस. एम. टंडन की पुस्तक (इंडियन म्यूजिक एंड फीडम मूवमेंट, पृष्ठ 134) में उल्लेख मिलता है कि यह गीत, संगीत और राष्ट्रीय चेतना के जागरण का अद्भुत संगम बन गया।

संविधान सभा द्वारा मान्यता और सीमित परंपरा- यही कारण भी रहे कि स्वतंत्र भारत में संविधान सभा ने भी इसकी महत्ता को स्वीकार किया। 24 जनवरी 1950 को इसे 'जन गण मन' के साथ राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया। संविधान सभा की कार्यवाही में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था, "वंदे मातरम् हमारे स्वतंत्रता संघर्ष की चेतना रहा है और इसे सम्मानपूर्वक स्थान दिया जाना चाहिए" (कॉन्स्टिट्यूएंट असेंबली डिबेट्स, वॉल्यूम 12, पृष्ठ 24)। लेकिन इतिहास का एक पक्ष यह भी रहा कि साल 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में केवल दो छंद गाने का निर्णय लिया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सुभाषचंद्र बोस को लिखे पत्र में उल्लेख किया कि कुछ पंक्तियों को लेकर कुछ वर्गों (इस्लाम को मानने वाले मुसलमानों) में असहजता है (सेलेक्टेड वर्क्स ऑफ जवाहरलाल नेहरू, वॉल्यूम 8, पृष्ठ 276)। इसके बाद यह परंपरा सीमित होती चली गई।

राष्ट्रभाव और सांस्कृतिक एकात्मता का दृष्टिकोण- इन परिस्थितियों के परिणाम में ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय को कहना पड़ा कि "भारत माता से 'माता' शब्द हटा दिया जाए तो 'भारत' का अर्थ ही अधूरा रह जाता है।" (राष्ट्र जीवन की दिशा, पृष्ठ 52)। उनका मानना था कि राष्ट्र का भाव मातृभूमि से ही जुड़ा है। यही कारण है कि संघ ने सदैव इसे सांस्कृतिक एकात्मता का आधार माना। मध्य प्रदेश के जबलपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई कि वंदे मातरम् समाज को समर्पण और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। संघ का मानना है कि यह गीत व्यक्ति को अपनी मातृभूमि के प्रति कर्तव्यबोध से जोड़ता है। इतिहासकार आर.सी. मजूमदार भी लिखते हैं कि "भारत की राष्ट्रीयता का भाव सबसे अधिक स्पष्ट वंदे मातरम् में दिखाई देता है" (हिस्ट्री ऑफ बंगाल, पृष्ठ 301)।

विश्व के राष्ट्रगीतों से समानता- यह ठीक वैसा ही है जैसा कि विश्व के अधिकांश राष्ट्रगानों में दिखाई देता है, वहां भी जन अपनी भूमि और मातृभूमि की स्तुति करते हैं। अपनी जन्मदात्री मां का सम्मान स्वाभाविक है। मां जो हमें अन्न, जल और वायु देती है, उसका सम्मान विवाद का विषय क्यों हो? फ्रांस का 'ला मार्सेयेज' जो फ्रांसीसी क्रांति के दौरान स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के संघर्ष का एक शक्तिशाली प्रतीक है। अमेरिका का 'स्टार स्पैंगल्ड बैनर' भी अपने राष्ट्र की धरती और सम्मान की बात करता है। इसी तरह वंदे मातरम् है जो किसी पंथ विशेष का गीत न होकर सीधे-सीधे मातृभूमि की वंदना है। इस संदर्भ की पुष्टि इतिहासकार एरिक हॉब्सबॉम ने कुछ यूं कहकर किया है, 'राष्ट्रगीत राष्ट्रीय पहचान को सशक्त बनाते हैं।' (नेशन्स एंड नेशनलिज्म सिंस 1780: पृष्ठ 91) इस संदर्भ में कहना यही होगा कि भारत में यह भूमिका वंदे मातरम् ने निभाई है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ खेलना तय नहीं : सूर्यकुमार

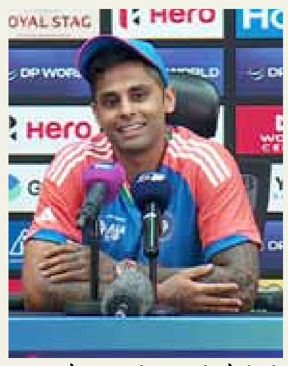

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक अभी तक अपने पेट के संक्रमण से पूरी तरह से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अभिषेक का 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है पर अभी भी वह काफी कमजोरी महसूस कर रहे हैं। टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी कहा है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए है और इस कारण हो सकता है कि उन्हें एक दो मैचों से दूर रहना पड़े। पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक को तेज बुखार और पेट दर्द के चलते दो दिन तक अस्पताल में रहना पड़ा था। इसी कारण व अस्पाल से छुट्टी मिलने के बाद भी अभ्यास के लिए नहीं उतर पाये क्योंकि उन्हें कमजोरी लग रही है। उनका थोड़ा भी कम हुआ है। पेट के संक्रमण से उबरने के बाद पूरी तरह ठीक होकर शीर्ष स्तर पर खेलने में उन्हें कुछ समय जरुर लगेगा।

सूर्यकुमार ने कहा, 'अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, एक-दो मैच लग सकते हैं.' कोलंबो में उनका अभ्यास सेशन यह बताएगा कि वह किस हालत में हैं। अगर वह नेट्स में सामान्य तरीके से ज्यादा देर तक बल्लेबाज करते हैं तो इसे उनके खेलने के लिए फिट होने का संकेत माना जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में भारतीय टीम के नेट सत्र को देखें तो अभिषेक कई बार बल्लेबाजी करते हैं और तीन घंटे के अभ्यास सत्र में करीब 75 से 90 मिनट तक बल्लेबाजी करते हैं। पाक के खिलाफ अभिषेक अगर नहीं खेल पाते हैं तो ईशान किशन के साथ एक बार फिर पारी शुरु करने की जिम्मेदारी संजू सैमसन को मिलेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप में बड़ा उलटफेर, जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया

एजेंसी, कोलंबो

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में बड़ा उलटफेर करते हुए जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी अपराजेय लय बरकरार रखी। ग्रुप बी के इस मुकाबले में जिम्बाब्वे ने 170 रन के लक्ष्य का सफल बचाव किया और ऑस्ट्रेलिया को 146 रन पर समेट दिया। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट पर 17 रन लिए, जबकि ब्रैड इवांस ने 3/23 के आंकड़े के साथ ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। मुजारबानी ने इस दौरान अपना 100वां टी-20 अंतरराष्ट्रीय विकेट भी पूरा किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 2 विकेट पर 169 रन बनाए। युवा सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 56 गेंदों में नाबाद 64 रन की पारी खेली। उनके साथ तादिवानाशे मारुमानी (35) ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। बाद में रयान बर्ल (35) और कप्तान सिकंदर रजा (नाबाद 25) ने उपयोगी योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। मुजारबानी और इवांस की घातक गेंदबाजी के सामने ऑस्ट्रेलिया 4 विकेट पर 29 रन तक सिमट गया। जोश इंग्लिस, कैमरून ग्रीन और टिम डेविड सस्ते में आउट हो गए। कार्यवाहक कप्तान ट्रेविस हेड भी 17 रन बनाकर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से आउट हुए। मध्यक्रम में मैथ्यू रेनशॉ (65) और ग्लेन मैक्सवेल (31) ने 77 रन की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। अंततः ऑस्ट्रेलियाई टीम अंतिम ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह टी-20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे की ऑस्ट्रेलिया पर दूसरी जीत है। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले उसने 2007 में उद्घाटन संस्करण में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। इस जीत के साथ जिम्बाब्वे ग्रुप बी तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर 8 की राह अब चुनौतीपूर्ण हो गई है।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहते हैं रोहित

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में टीम को जीत दिलाना है। रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम पिछली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भी हार के कारण खिताब हासिल नहीं हासिल कर पायी थी। इसके बाद उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता पर विश्व कप 2023 का खिताब न जीत पाने की निराशा उनके दिल से निकल नहीं पा रही है। इसी कारण रोहित अब एकदिवसीय प्रारुप में ही खेल रहे है और किसी भी हालत में इस खिताब को जीतकर ही संन्यास लेना चाहते हैं। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कहा, वह केवल विश्व कप 2027 खेलना नहीं चाहते हैं बल्कि जीतना भी चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं 50-ओवर का विश्व कप देखते-देखते हुए बड़ा हुआ हूं। उस समय कोई टी20 विश्व कप नहीं था, कोई आईपीएल नहीं था और एकदिवसीय विश्वकप ही क्रिकेट का सबसे ऊंचा खिताबी मुकाबला था, जो हर चार साल में होता था। इसलिए इससे हासिल करने का सपना सभी का होता था। उस एक ट्रॉफी का इतना ज्यादा बोझ था। मैं सच में वह ट्रॉफी हासिल करना चाहता हूं, इसलिए मैं कड़ी मेहनत करने और उसे पाने के लिए अपनी पूरी ताकत और क्षमता का उपयोग करना चाहता हूं। मैं अपने देश के लिए ये विश्व कप जीतना चाहता हूं। रोहित ने टी20 और टेस्ट से पहले ही संन्यास ले लिया है जिससे की उनकी फिटनेस 2027 विश्व कप तब बनी रहे। पिछले 6 महीने में रोहित ने अपनी फिटनेस पर काम किया और अपना वजन भी घटाया है। उनकी बल्लेबाजी में भी बदलाव आया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भले ही वह सफल नहीं रहे पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। जिस प्रकार से वह फिटनेस और फॉर्म को बरकरार रखने का प्रयास कर रहे हैं। उससे अंदाजा होता है कि वह विश्वकप को लेकर कितने गंभीर और समर्पित हैं। 2027 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रुप से खेला जाएगा।

पीएसएल में इस बार नजर नहीं आयेंगे अफगान खिलाड़ी

एजेंसी, कराची

पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) में इस बार अफगानिस्तान के खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। अफगान खिलाड़ियों ने पाक लीग में खेलने से इंकार करते हुए अपने नाम वापस ले लिये हैं। पीएलएल टीम के प्रमोट ने कहा है कि अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान, सेद्दीकुल्लाह अटल, मुहम्मद नबी, वकार सलामखेल, फजल हक फारूकी जैसे खिलाड़ियों ने लाहौर में हुई नीलामी के लिए पंजीकरण कराया था पर बाद में नाम वापस ले लिया। पेशावर जालमी के अफगानिस्तान के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज को सीधे साइन करने पर हुए विरोध को देखते हुए अफगान खिलाड़ियों ने नाम वापस लिए हैं। वहीं पीएसएल के मुख्य कार्यकारी सलमान नसीर ने कहा है कि अफगानिस्तान के कुछ खिलाड़ी पीएसएल में खेलना चाहते थे पर किसी फ्रैंचाइज़ी ने उन्हें नहीं खरीदा। नसीर ने कहा, निलामी में कुछ अफगानिस्तान के खिलाड़ी थे पर वे नहीं बिके। नसीर ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध खराब होने का प्रभाव नीलामी पर भी दिखा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खराब संबंधों के कारण जालमी ने जब गुरबाज को को खरीदा तो काफी उग्र प्रतिक्रिया हुई। इसलिए दूसरे खिलाड़ियों ने भी इससे बचने नाम वापस ले लिया होगा। पिछले कुछ समय में दोनो देशों के बीच तनाव रहा है जिसके बाद पाक ने अफगानिस्तान पर हवाई हमला भी किया था। अफगान खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया में पाक की कड़ी आलोचना की थी।

घुटने की चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हुए आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग को घुटने में गंभीर चोट लगने के कारण जारी आईसीसी टी-20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया है। स्टर्लिंग को यह चोट गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के दौरान लगी। पहली पारी के सातवें ओवर में ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज जोश इंग्लिश का कैच लेने के प्रयास में स्टर्लिंग ने डाइव लगाई, लेकिन जमीन पर उतरते समय उनका घुटना कड़े हिस्से से टकरा गया। इसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा और कप्तानी की जिम्मेदारी उपकप्तान लॉरकन टकर को सौंपी गई। हालांकि, रन चेज के दौरान स्टर्लिंग बल्लेबाजी करने उतरे और टीम प्रबंधन को बताया कि वह बल्लेबाजी करने में सक्षम महसूस कर रहे हैं, लेकिन पहली ही गेंद पर सिंगल लेने की कोशिश में उनका घुटना जवाब दे गया। कुछ कदम चलते ही उनका घुटना मुड़ गया और उन्हें 'रिटायर्ड हर्ट' होकर वापस लौटना पड़ा। स्टर्लिंग की जगह आयरलैंड ने 20 वर्षीय अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज सेम टॉपिंग को टीम में शामिल किया है। टॉपिंग इस समय चेन्नई में नॉर्दर्न नाइट्स टीम के साथ ऑफ-सीजन ट्रेनिंग कैंप में हैं। पिछले घरेलू टी20 सीजन में उन्होंने 31.00 की औसत और 140 के स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए थे। टॉपिंग का चयन इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि बेन कैलिट्ज़ भी पिछले मैच के दौरान हाथ में लगी चोट से जूझ रहे हैं। क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस निदेशक ग्रिम वेस्ट ने कहा, "ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद पॉल स्टर्लिंग का स्कैन कराया गया, जिसमें लिगामेंट डैमेज की पुष्टि हुई है। ऐसे में वह टी-20 वर्ल्ड कप के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। वह अब आराम और रिहैबिलिटेशन के लिए स्वदेश लौटेंगे।" उन्होंने आगे कहा, "स्टर्लिंग की जगह हमने सैम टॉपिंग को बुलाया है, जो चेन्नई में मौजूद हैं और कम समय में टीम से जुड़ सकते हैं। वह नॉर्दर्न नाइट्स के साथ अभ्यास कर रहे थे और श्रीलंका जैसी परिस्थितियों में खेल चुके हैं। उनकी स्किल टीम के कई विभागों में संतुलन प्रदान करती है, खासकर तब जब बेन कैलिट्ज़ भी हाथ की चोट से उबर रहे हैं।"

व्यापार

शेयर बाजार में आईटी सेक्टर की वजह से मचा कोहराम, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

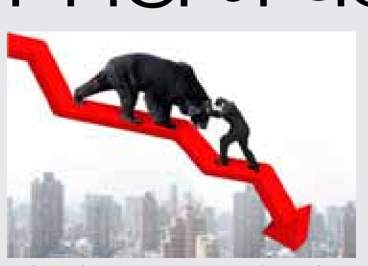

नई दिल्ली। नकारात्मक ग्लोबल संकेतों, आईटी सेक्टर में जारी जोरदार बिकवाली और रुपये की कमजोरी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ तेजी भी आई। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। दिन के पहले सत्र में खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की लेकिन दूसरे सत्र में बाजार पर बिकवाल पूरी तरह से हावी हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.25 प्रतिशत और निफ्टी 1.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट का शिकार होकर लाल निशान में बंद हुए। आईटी सेक्टर के अलावा मेटल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में भी आज जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, ऑयल एंड गैस, हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल, कैपिटल गुड्स, ऑटोमोबाइल, एनर्जी, रियल्टी, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेलीकॉम और बैंकिंग इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सात लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 465.37 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 472.48 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,364 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,318 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,882 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 164 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,909 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 637 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 2,272 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ दो शेयर बढ़त के साथ और 28 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से छह शेयर हरे निशान में और 44 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 772.19 अंक की कमजोरी के साथ 82,902.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से यह सूचकांक उछल कर 83,079.70 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स संभल नहीं सका। खासकर, दिन के दूसरे सत्र में मंदडिये पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए, जिसके कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 1,140.37 अंक टूट कर 82,534.55 अंक के स्तर तक गिर गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 90 अंक से अधिक की रिकवरी कर 1,048.16 अंक की गिरावट के साथ 82,626.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सर्राफा बाजार में चांदी की बढ़ी चमक, सोने के भाव में गिरावट का रुख

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार दो दिन की तेजी के बाद आज कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती नजर आ रही है। सोने के भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में शुरुआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोना आज 1,58,390 रुपये से लेकर 1,58,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,45,190 रुपये से लेकर 1,45,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। जबकि चांदी के भाव में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार में 2,95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,58,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,45,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,58,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बायोपोल केमिकल्स ने निवेशकों को किया निराश, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। बायोकेमिकल और पॉलीइलेक्ट्रोलाइट केमिकल्स की मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन का काम करने वाली कंपनी बायोपोल केमिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 108 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 111 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही यह शेयर 105.45 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 2.36 प्रतिशत का नुकसान हो गया। बायोपोल केमिकल्स का 31.26 करोड़ रुपये का आईपीओ छह से दस फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 22.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 21.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 24.49 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 20.80 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28,94,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इंडस्ट्रियल प्लॉट खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.96 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को छह करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

भारत में एपल का 6वां-स्टोर 26-फरवरी को बोरीवली में खुलेगा:मुंबई में दूसरा आउटलेट होगा

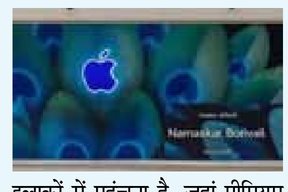

मुंबई। एपल भारत में अपने रिटेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहा है। कंपनी 26 फरवरी को मुंबई के बोरीवली में अपना 6वां एक्सक्लूसिव स्टोर खोलने जा रही है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में यह एपल का दूसरा स्टोर होगा। इससे पहले कंपनी ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) और दिल्ली के साकेत में अपने फ्लैगशिप स्टोर्स खोले थे। बोरीवली का यह नया स्टोर मुंबई के ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। एपल ने भारत में अपने पैर जमाने के लिए मुंबई को केंद्र बनाया है। बोरीवली से पहले अभी मुंबई में बीकेसी में एपल का स्टोर मौजूद है। बोरीवली का स्टोर उत्तर मुंबई के लोगों के लिए एपल प्रोडक्ट्स और सर्विसेज तक पहुंच आसान बनाएगा। कंपनी का लक्ष्य उन इलाकों में पहुंचना है, जहां प्रीमियम कंज्यूमर बेस ज्यादा है।

एपल के बोरीवली स्टोर में क्या-क्या खास होगा- बोरीवली स्टोर में ग्राहकों को एपल के सभी लेटेस्ट प्रोडक्ट्स जैसे आईफोन 16 सीरीज, मैकबुक, आईपैड और वॉच सीरीज देखने और खरीदने को मिलेगी। स्टोर की डिजाइन एपल के ग्लोबल स्टैंडर्ड के हिसाब से रखी गई है। यहां 'जीनियस बार' की सुविधा भी होगी, जहां एक्सपर्ट्स ग्राहकों की तकनीकी समस्याओं को मौके पर ही हल करेंगे। इसके अलावा, ग्राहक यहां ट्रेड-इन प्रोग्राम के जरिए अपने पुराने फोन बदलकर नया आईफोन ले सकेंगे। एपल ने अप्रैल 2023 में मुंबई में अपना पहला इंडिया स्टोर और दिल्ली में अपना दूसरा स्टोर खोला था। फिर कंपनी ने 2025 में तीन और आउटलेट्स के साथ अपनी रिटेल प्रेजेंस को बढ़ाया। ये तीन स्टोर्स बेंगलुरु, पुणे और नोएडा में खोले गए। कंपनी के मुताबिक, भारत उनके लिए एक स्ट्रैटेजिक मार्केट है और वे आने वाले समय में हैदराबाद जैसे शहरों में भी विस्तार का प्लान बना रहे हैं।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने से मदद मिली- एपल की रिटेल स्ट्रैटेजी में बदलाव के पीछे भारत में बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग एक बड़ी वजह है। सरकार की PLI स्कीम के तहत अब भारत में आईफोन का प्रोडक्शन बड़े स्तर पर हो रहा है।

जनवरी महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 13 फीसदी बढ़ीः सियाम

नई दिल्ली। जनवरी महीने में कार, बाइक और तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री में मजबूत बढ़त दर्ज की गई है। घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 13 फीसदी बढ़कर 4,49,616 इकाई हो गई। पिछले साल जनवरी में यह 3,99,386 इकाई रही थी। उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जनवरी में दोपहिया वाहनों की बिक्री 26 फीसदी बढ़कर 19,25,603 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल जनवरी में यह 15,26,218 इकाई थी। उद्योग संगठन के अनुसार तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 75,725 इकाई हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 58,167 इकाई रही थी। सियाम के ताजा आंकड़े बताते हैं कि बाजार में मांग का माहौल सुधरता नजर आ रहा है। इससे माना जा रहा है कि बाजार में मांग धीरे-धीरे मजबूत हो रही है।

हाथों में गन, इंटेंस आंखें, यश की टॉक्सिक से तारा सुतारिया का फर्स्ट लुक आउट

एक्शन अवतार में ये रोल करेंगी एक्ट्रेस

कन्नड़ सुपरस्टार यश स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक अपने रिलीज ईयर में आ चुकी है. फिल्म मार्च 2026 में रिलीज होगी और फिल्म से एक के बाद एक हसीनाओं के फर्स्ट लुक सामने आ रहे हैं. कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और नयनतारा के बाद अब फिल्म से तारा सुतारिया का भी फर्स्ट लुक सामने आया है. टॉक्सिक के मेकर्स ने तारा सुतारिया का एक अवतार में फर्स्ट लुक साझा किया है. जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे फिल्म की एक्ट्रेस के फर्स्ट लुक भी सामने आ रहे हैं. चलिए जानते हैं फिल्म टॉक्सिक में तारा सुतारिया का क्या रोल होगा. गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनने वाली फिल्म टॉक्सिक से आए तारा सुतारिया के फर्स्ट लुक की बात करें तो वह ऑफ शॉल्डर डार्क ड्रेस में हाथ में गन लिए दिख रही हैं. शोल्डर कट हेयर स्टाइल और आंखों में टागरेट लिए तारा का इंटेंस लुक काफी इंप्रेसिव दिख रहा है. तारा फिल्म टॉक्सिक में रेबेका का रोल करने जा रही हैं. इस हिसाब से टॉक्सिक एक मास एक्शन फिल्म बनने जा रही है. इससे पहले फिल्म से नयनतारा का डैशिंग फर्स्ट लुक

आया था. फिल्म में नयनतारा का रोल गंगा नामक लड़की का होगा. वहीं, हुमा कुरैशी एलिजाबेथ और कियारा आडवाणी नाडिया के रोल में होंगी. टॉक्सिक से आए इन चारों एक्ट्रेस के रोल काफी इंटरेस्टिंग, सरप्राइजिंग और मिस्टीरियस हैं. फिल्म टॉक्सिक की बात करें तो इसे यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है. फिल्म का निर्देशन गीतू ने किया है. फिल्म के निर्माता वेंकट नारायण और यश हैं. फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हुई है, वहीं हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और भी कई भाषाओं में डब होगी. टॉक्सिक आगामी 19 मार्च को उगादी, गुड़ी पड़वा और ईद के मौके पर रिलीज होने जा रही है. 19 मार्च को गुरुवार है और फिल्म को चार दिनों का फेस्टिव वीकेंड मिलने जा रहा है. फिल्म से यश का फर्स्ट लुक पहले ही रिलीज हो चुका है और केजीएफ स्टार के फैंस को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है. फिल्म बीते एक साल से भी ज्यादा समय से तैयार हो रही है. यश पूरे चार साल बाद बड़े पर्दे पर धमाका मचाने आ रहे हैं.

सनी देओल की बॉर्डर 2 ने 19वें दिन उड़ा दिया गर्दा, कर डाली बंपर कमाई

सनी देओल की 'बॉर्डर 2 इस साल की सबसे बड़ी हिंदी फ़िल्मों में से एक है. इस वॉर ड्रामा ने पूरे भारत में सिनेमा फ़ैन्स का काफ़ी ध्यान खींचा और इसी के साथ जमकर बॉक्स ऑफिस भी लूटा. इसकी रिलीज के दो हफ्ते धमाकेदार रहे हालांकि अब रिलीज के तीसरे वीक में इसकी कमाई में मंदी देखी जा रही है लेकिन ये अब भी करोड़ों में ही नोट छाप रही है. चलिए यहां जानते हैं 'बॉर्डर 2 ने रिलीज के तीसरे मंगलवार यानी 19वें दिन कितने करोड़ कमाए हैं. 'बॉर्डर 2 1997 की ब्लॉकबस्टर जेपी दत्ता निर्देशि 'बॉर्डर की सीक्वल है. 23 जनवरी को सिनेमाघरो में रिलीज हुई ये फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय की है और इंडियन आर्मी, एयर फ़ोर्स और नेवी के साहस पर फ़ोकस करती है. मेकर्स ने क्लासिक गाने संदेशे आते हैं और ऐ जाते हुए लम्हों को फिर से इस फिल्म में शामिल किया और इन्होंने फ़ैन्स के लिए पुरानी यादें फिर से ताज़ा कर दी. इसी के साथ 'बॉर्डर 2 को सिनेमाघरों में खूब ऑडियंस भी मिली जिन्होंने फिल्म की कहानी और स्टार कास्ट की दमदार परफॉर्मेंस की खूब तारीफ की. इसी के साथ इस फिल्म ने न केवल अपना बजट रिकवर कर लिया है बल्कि अब ये मुनाफा बटोर रही है. 'बॉर्डर 2 के कलेक्शन की बात करें तो पहले हफ्ते में इसने 224.25 करोड़ और दूसरे हफ्ते में 70.15 करोड़ का कारोबार किया. वहीं 15वें दिन फिल्म ने 2.85 करोड़, 16वें दिन 5.25 करोड़, 17वें दिन 7.25 करोड़ और 18वें दिन 2 करोड़ रुपये जोड़े. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बॉर्डर 2 ने रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 2.84 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ 'बॉर्डर 2 की 19 दिनों की कुल कमाई अब 314.59 करोड़ रुपये हो गई है. 'बॉर्डर 2 की कमाई में तीसरे मंगलवार फिर तेजी देखी गई और इसने 2.84 करोड़ कमा डाले जबकि सोमवार को इसने 2 करोड़ कमाए थे. इसी के साथ इसका कुल कलेक्शन 314.59 करोड़ रुपये हो चुका है. दिलचस्प बात यह है कि बॉर्डर 2 अब सलमान खान की बजरंगी भाईजान के लाइफटाइम कलेक्शन 320.34 करोड़ को पार करने से कुछ करोड़ ही दूर रह गई है. उम्मीद है कि तीसरे गुरुवार तक फिल्म ये उपलब्धि भी हासिल कर लेगी. 'बॉर्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, मेधा राणा, सोनम बाजवा और मोना सिंह ने अहम रोल प्ले किया है. इस फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. वहीं रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 30 जनवरी को रिलीज हुई थी, लेकिन बॉर्डर 2 के आगे इसका जोर नहीं चला। इसने 12वें दिन 2.02 करोड़ कमाए हैं जो बेशक 11वें दिन की कमाई 1.2 करोड़ के मुकाबले ज्यादा है, लेकिन टोटल कमाई के मामले में इसने अब तक सिर्फ 39.14 करोड़ रुपये जुटाए हैं। उधर संजय मिश्रा की वश 2 का हाल बेहद बुरा है। छठे दिन 1 लाख कमाने के बाद यह कुल 3 करोड़ कमा सकी है।

नाना पाटेकर ने 102 डिग्री बुखार के बावजूद पूरी की ओ रोमियो की हाई एक्शन शूटिंग

वरिष्ठ अभिनेता नाना पाटेकर भारतीय सिनेमा के उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें उनकी मेहनत, लगन और प्रोफेशनलिज्म के लिए जाना जाता है। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चाओं में हैं। वह अपने काम को लेकर कितने प्रतिबद्ध हैं, ये फिल्म के निर्माताओं ने खुद बताया। फिल्म ओ रोमियो का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। फिल्म में एक एक्शन सीन है, जिसे ट्रेन के सेट पर शूट किया गया। विशाल भारद्वाज ने बताया कि इस दौरान नाना पाटेकर को तेज बुखार था। वह 102 डिग्री के बुखार से तप रहे थे। पूरी टीम इस बात को लेकर चिंतित थी। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी। उन्होंने आगे कहा, लेकिन नाना पाटेकर ने शूटिंग जारी रखने का फैसला किया। वह नहीं चाहते कि उनके कारण शूटिंग कैंसिल हो। उन्होंने लगातार चार घंटे तक उस सीन की शूटिंग पूरी की। फिल्म का पहला गाना इश्क का फीवर पहले ही रिलीज हो चुका है। इसे सुपरस्टार

सिंगर अरिजीत सिंह ने गाया है और विशाल भारद्वाज ने कम्पोज किया है, जबकि बोल गुलजार ने लिखे हैं। गाना रोमांटिक है, और इसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की खूबसूरत केमिस्ट्री नजर आ रही है। फिल्म ओ रोमियो की बात करें तो, इसमें नाना पाटेकर, शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसी प्रमुख हस्तियां हैं। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है। फिल्म में शाहिद ने एक माफिया डॉन हुसैन उस्तरा का रोल किया है। वहीं, सपना उर्फ सपना दीदी के रोल में तृप्ति डिमरी नजर आ रही हैं। फिल्म को साजिद नाडियाडवाला प्रस्तुत कर रहे हैं, इसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है और प्रोडक्शन नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की तरफ से है। फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में उतरीं फातिमा सना शेख, दिखाया फुल पावर अवतार

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्मों और सोशल मीडिया पोस्ट से दर्शकों का खास ध्यान खींचती हैं। उन्होंने मंगलवार को एक मजेदार पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि कुछ में वे रिंग के अंदर आत्मविश्वास से भरे पोज देती दिख रही हैं। उनका पूरा लुक काफी पावरफुल और एनर्जेटिक लग रहा है, लेकिन अभिनेत्री की आखिरी स्लाइड काफी मजेदार है, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग के महान खिलाड़ी अमेरिका के प्रोफेशनल बॉक्सिंग चैंपियन मोहम्मद अली की एक आइकॉनिक तस्वीर लगाई है। अभिनेत्री ने लिखा, तितली की तरह हल्के रहो, और मधुमक्खी की तरह वार करो, मुहम्मद। फातिम ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ अपनी फिटनेस को दर्शाया है बल्कि मोहम्मद अली के इंस्पिरेशन कोट्स को भी दिखाया है। अभिनेत्री का पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कयास लगा रहे हैं कि आने वाली फिल्म में शायद वे बॉक्सिंग की भूमिका में होंगी। 1997 में फिल्म चाची 420 में बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली फातिमा सना ने बॉलीवुड में कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें लूडो, अजीब दास्तां, और सैम बहादुर शामिल हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं, जो मोटिवेशनल और मजेदार होते हैं। फातिमा इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं, जिसका खुलासा जल्द ही होगा। इससे पहले वे विजय वर्मा के साथ फिल्म गुस्ताख इश्क में नजर आई थीं। फिल्म में दोनों के अलावा, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में थे।फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया आई थी और बॉक्स ऑफिस पर भी ज्यादा कमाई नहीं कर पाई थी। हालांकि, शुरुआत में फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी क्रेज देखा गया था।

महावतार में ऐसा होगा विक्की कौशल का लुक, फिल्म पर आई ये जानकारी

विक्की कौशल के लिए साल 2025 सबसे शानदार रहा। उनकी एतिहासिक पीरियड-ड्रामा फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ कमाते हुए जो रिकॉर्ड कायम किया, उसके चर्चे पूरे साल देखने को मिले। फिलहाल अभिनेता संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की तैयारी में जुटे हुए हैं। इस बीच, उनकी एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म महावतार पर अपडेट आ गया है जिसमें उन्हें भगवान विष्णु के छठे अवतार चिरंजीवी परशुराम के किरदार में देखा जाएगा। विक्की की फिल्म महावतार एक पौराणिक महाकाव्य होने वाली है, जिसके निर्देशन की कमान स्त्री वाले निर्देशक अमर कौशिक ने संभाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेता को जिम में काफी पसीना बहाना होगा क्योंकि भगवान परशुराम का किरदार निभाने के लिए उन्हें अपने शरीर को गठीला बनाना होगा। छावा से अंदाजा लगाया जा सकता है कि विक्की बड़ी-बड़ी भूमिकाओं में सहजता से ढल जाते हैं। इसलिए महावतार में उनकी महत्वाकांक्षी भूमिका देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। सूत्र ने बताया, अभिनेता अभी अपनी शारीरिक तैयारी शुरू नहीं कर सकते क्योंकि वे लव एंड वॉर की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनका एथलेटिक लुक है। महावतार के लिए उन्हें पहलवान जैसी मजबूत काया बनानी होगी। उन्होंने बताया कि महाकाव्य को भव्य पैमाने पर फिल्माया जा रहा है, इसलिए प्री-प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी जिसमें 8 महीने बाकी हैं।

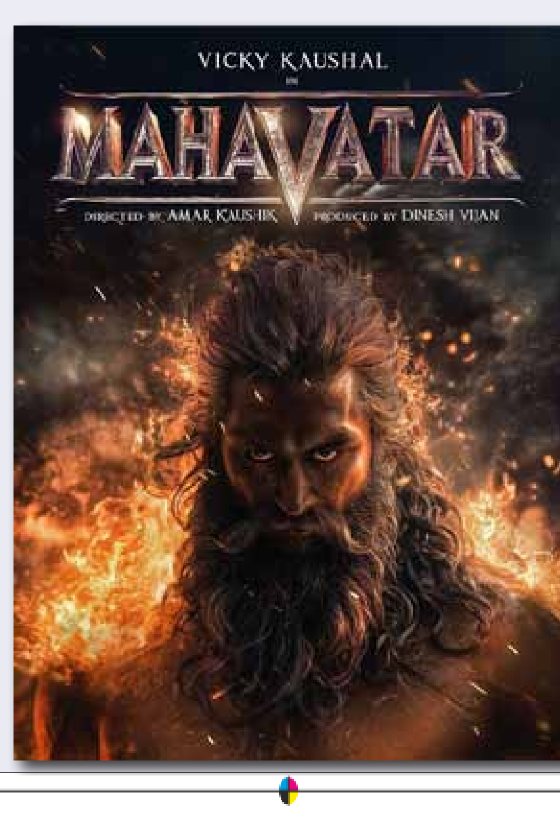

तू या मैं में विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे खास अनुभव रहा : पारुल गुलाटी

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार के करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट आते हैं, जो उनके सीख और आत्मविश्वास का जरिया बन जाते हैं। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए उनकी आने वाली फिल्म तू या मैं कुछ ऐसा ही प्रोजेक्ट है। इस फिल्म के जरिए उन्हें मशहूर निर्देशक विजय नांबियार के साथ काम करने का मौका मिला है। इसको लेकर पारुल का कहना है कि यह फिल्म उनके करियर का सबसे खास अनुभव है। इस सफर ने उन्हें एक कलाकार के रूप में और मजबूत बनाया है। फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए पारुल गुलाटी ने कहा, विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा रहा। मैं पहले से ही उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। उनकी फिल्मों में कहानी कहने का तरीका, किरदारों की गहराई और फिल्म का माहौल ऐसा होता है कि फिल्म खत्म होने के बाद भी उसका असर मन पर बना रहता है। ऐसे निर्देशक के साथ काम करना सम्मान की बात है। पारुल ने कहा, जिस निर्देशक के काम को आप सालों से देखते और पसंद करते आए हों, उसी के निर्देशन में कैमरे के सामने खड़ा होना बहुत खास एहसास देता है। तू या मैं ने मुझे यही मौका दिया। इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक, मानसिक और अभिनय के स्तर पर खुद को और बेहतर समझने का अवसर दिया। यह फिल्म मेरे करियर की सबसे खास है। इस फिल्म में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अपने सह-कलाकारों के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा, उनके साथ काम करना इस सफर को और भी खूबसूरत बनाता है। आदर्श गौरव बेहद ईमानदार और मेहनती अभिनेता हैं। वह हर सीन में पूरी सच्चाई के साथ काम करते हैं। वहीं शनाया कपूर सेट पर नई ताजगी लेकर आती हैं। उनमें सीखने की काफी लगन है। पारुल ने कहा, जब आसपास ऐसे कलाकार होते हैं, तो काम को लेकर समर्पण और खुद को बेहतर करने की प्रेरणा अपने आप मिलती है। हर दिन सेट पर कुछ नया सीखने को मिलता है, और यही चीज किसी भी कलाकार को आगे बढने में मदद करती है।

1st year laid foundation; infra, Yamuna, pollution focus areas, says Delhi CM Rekha Gupta

New Delhi, Agency: CM Rekha Gupta outlined Wednesday a series of measures taken by her govt over the past one year to curb dust and vehicular pollution in the capital, while rejecting allegations that air quality data was, in any way, manipulated or deliberately concealed.

In a free-wheeling interview with Media, Gupta said dust and smoke remained the two major contributors to Delhi's air quality crisis. The CM asserted that in its first year, her govt was grappling with "legacy issues" while vowing that Delhi would breathe easier within a couple of years.

She said her govt had implemented a structured dust mitigation plan with short-, mid- and long-term interventions. Among long-term solutions, she pointed to the ambitious target of "wall-to-wall carpeting" of roads. Gupta said her govt had prioritised electrification of public transport. "Today there are 4,200 EV buses in Delhi, more than any state in the country," she said.

Gupta expressed regret over the twin deaths in less than a week linked to civic neglect. "As CM and as a woman and a mother, I understand that there can be no greater pain than this," she said. Referring to trolling, she said, "When your statement, your words are twisted and presented by removing commas and hyphens... it hurts."

What are your govt's biggest achievements so far?

CM: One year is a very short time to achieve major milestones, but it has certainly been a year of laying strong foundations for big projects. One of our biggest achievements is the implementation of Ayushman Arogya Yojana, ending a wait of nearly 10 years. Today, around 7 lakh people have registered under the scheme. Approximately 25,000 people have already received treatment, and govt has made payments of about ?Rs 45 crore. Many elderly citizens and families are now covered under the Rs 10 lakh health insurance cover, which is a significant relief for them. I consider this one of our most impactful initiatives. The second major initiative is Atal Canteen scheme, which is both important and humane. The guiding principle behind it is that no one should go to bed hungry. If a labourer or a poor person can get a meal for Rs 5, they do not have to beg or depend on anyone. This scheme ensures dignity, along with food security. Another milestone is the addition of 4,200 EV buses. Since there are limited manufacturers of EV buses and delivery takes time, we have already placed advance orders to meet Delhi's future transport requirements. We are focusing on improving last-mile connectivity. We are working on important policies in health, education and sports. For example, Delhi now offers the highest prize money for sports in the country. We are investing in expanding Delhi's metro infrastructure, which is already the largest in India, and ensuring it continues to grow. What has govt done to improve infrastructure? Delhi's roads require comprehensive redevelopment. We have planned large-scale upgradation and wall-to-wall carpeting of nearly 1,400km of roads under PWD. There is focus on overhauling Delhi's decades-old drainage system as well, much of which is nearly 50 years old. To replace this outdated infrastructure and build a modern drainage network, we are undertaking a project estimated at Rs 56,000 crore. This will be funded through a combination of bank loans, support from the Centre, and contributions from Delhi govt. The goal is to permanently address chronic issues, such as waterlogging, sewer overflow and drain mismanagement. We are investing in new water supply lines and sewer networks.

Court acquits two in murder of IAF staffer

New Delhi, Agency: A Delhi court has acquitted two men accused of murdering a 33-year-old Indian Air Force (IAF) staffer in 2014, holding that the circumstantial evidence was inadequate and failed to form a complete chain pointing to their guilt.

Additional sessions judge Gurmohina Kaur was hearing the case against Brahm Prakash and Khajaan Singh, accused of killing the IAF staffer, Arun.

According to the prosecution, on the intervening night of Dec 27-28, 2014, the two allegedly struck Arun multiple times on the head with a stone before running him over with a van. His body was later found near a DJB site in Dwarka. Initially treated as a road accident, the case was later investigated as murder. The prosecution alleged that the accused tried to destroy evidence by discarding the victim's mobile phone and washing bloodstains from the vehicle. An FIR was registered at Dwarka North police station, and charges were framed under various sections of Indian Penal Code, including murder.

On Feb 5, the court said that suspicion alone could not justify conviction. "Merely on the basis of doubt of the family of the deceased, the accused cannot be convicted, especially when the circumstantial evidence is insufficient and does not form a complete chain of events leading to the inescapable conclusion of guilt," the judge noted.

Emphasising that the burden of proof lay on the prosecution, the court added, "Every accused is presumed innocent until proved guilty."

The court pointed to key gaps in the investigation, including the fact that the alleged weapon was never recovered and no evidence was collected to show when or where the tyres of the vehicle were washed.

4-year-old boy dies after e-rickshaw hits him outside school

New Delhi, Agency: A four-year-old boy died after a rashly driven e-rickshaw hit him outside a school in southwest Delhi's Chhawla on Feb 3. Police arrested the e-rickshaw operator.

The boy, Aarav, who was set to be enrolled in school soon, was rushed to hospital where he was declared dead. At least three children had lost their lives in accidents involving e-rickshaws in the city last year, reinforcing a general perception that they are an unsafe mode of transport.

Aarav accompanied his mother and aunt to the school to pick up his elder sister in the afternoon. They were waiting near the school gate around dispersal time, his father, Bharat Sharma, said. The area was crowded, with around 10 to 15 parents waiting for their wards to come out of the school.

At around 2pm, minutes before the classes were to end, an e-rickshaw hit Aarav, who was holding his mother's hand. He fell down and was run over by the vehicle, which then sped away, Sharma, a sales executive and a resident of Goyla Dairy in Chhawla, said.

Aarav's mother Janki and her sister-in-law, Archana, took the unconscious child to a hospital in Dwarka in another e-rickshaw. Doctors examined him, but he had died by then.

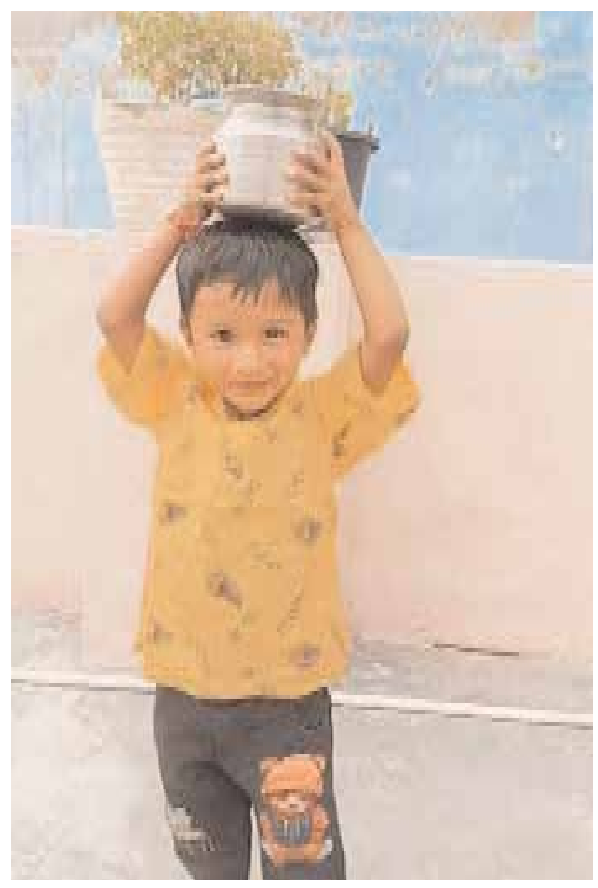

A case under sections 281 (rash driving or riding on a public way) and 106(1) (causing death by negligence) of Bharatiya Nyaya Sanhita was registered at Chhawla police station on Feb 4. Cops scanned CCTV footage before catching 25-year-old Deepanshu, the e-rickshaw operator, who lives in Goyla village.

Sharma said the family was looking to a new chapter in Aarav's life. "We were planning to enrol him in school this year. He was excited to begin his classes. But our dreams have been shattered," he said.

In March last year, a 10-year-old child lost her life after being crushed by an e-rickshaw in Jailorwala Bagh in northwest Delhi's Ashok Vihar. In Aug, an eight-year-old girl died after an e-rickshaw overturned and fell on her in northeast Delhi's Jafrabad. In Oct, a five-year-old girl was killed after a speeding e-rickshaw lost control, overturned and hit her whileshe was playing near her home in southwest Delhi's Uttam Nagar.

Nod to Rs 463-cr plan to lay underground power lines

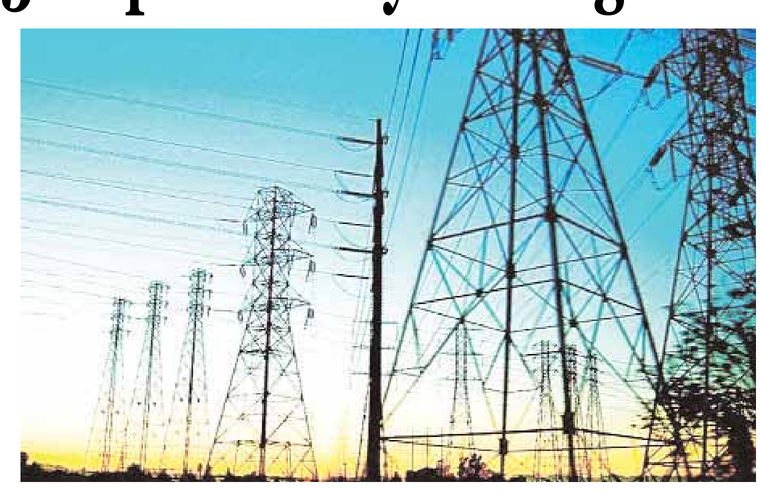

New Delhi, Agency: The Delhi Government has approved a major infrastructure initiative to shift and lay underground high-tension (HT) and low-tension (LT) electricity lines across multiple Assembly constituencies, aiming to enhance public safety, strengthen power infrastructure and improve the city's aesthetics.

Announcing the decision, Power Minister Ashish Sood described it as a landmark step, stating, "The historic decision marks a major step towards public safety, strengthening power infrastructure and beautification of the Capital." He added, "Chief Minister Rekha Gupta has taken this historic decision keeping in mind the safety of Delhi's residents."

The approved projects, with a total outlay of Rs 463 crore, focus on laying underground safe electricity lines in residential and densely populated areas to reduce risks to human life and ensure a safer, more reliable power distribution system. According to the plan, works will be carried out in 125 colonies and localities across Delhi at an estimated cost of Rs 267.20 crore. In addition, the underground work of overhead lines along 26 roads in the Chandni Chowk area will be undertaken at a cost of around Rs 159.47 crore.

As pilot projects, ground-ing laying has already been successfully completed in BH Block, Shalimar Bagh, and C-4 East Block, Janakpuri, with the model set to be replicated in other areas. Earlier, in 2025, approvals worth Rs 37.63 crore were granted for 15 similar proposals.

The minister said the initiative aligns with the broader vision of infrastructure modernisation under the guidance of the Prime Minister and the leadership of the Chief Minister, reaffirming the government's commitment to residents' safety and public welfare. He highlighted that under the Government of India's SASCI scheme, approvals of Rs 109 crore had been received for 13 proposals related to shifting HT/LT lines, which will significantly reduce accidents caused by unsafe overhead wires.

The Delhi Government has prepared a comprehensive Power System Master Plan up to 2030, involving an estimated investment of Rs 17,000 crore over the next three years to upgrade grids, ensure uninterrupted power supply, and meet future demand, including that from electric vehicles.

HC raps NGO for filing frivolous PILs

New Delhi, Agency: Cautioning that "passions should not be heightened", Delhi High Court on Wednesday rapped an NGO for repeatedly filing frivolous public interest litigations aimed at alleged encroachments by mosques and dargahs in the city.

In a span of two petitions - one filed against NGO Save India Foundation and the other filed by the organisation itself - the court took a dim view of the "sheer misuse of judicial process".

A bench of Chief Justice DK Upadhyaya and Justice Tejas Karia flagged the tendency to first file a PIL and then comment about it on social media. "You are already before a court. Whatever you have to say, convey your arguments to the court. We will only request, rather appeal, not to heighten the passions," the bench orally observed, as it allowed one Mohd Kamran to raise issues relating to recent demolitions around a mosque in the Turkman Gate area, before the single judge hearing the issue.

Kamran, through senior advocate

Jatan Singh, sought a stay on any further action against the Faiz Elahi mosque, highlighting that a graveyard may be affected. He urged the court to levy heavy costs on the NGO for allegedly misusing PILs to target a particular religion.

The court, however, declined to pass any order, allowing him to approach the single judge dealing with the demolition. It said any encroachment on public land had to be removed, declining any stay.

But the court pulled up the NGO's counsel. "Don't test our patience. We were very tolerant with you," it warned, when the lawyer claimed public land was being encroached upon as Waqf properties.

The digital trap: How scammers turn phones into virtual prisons

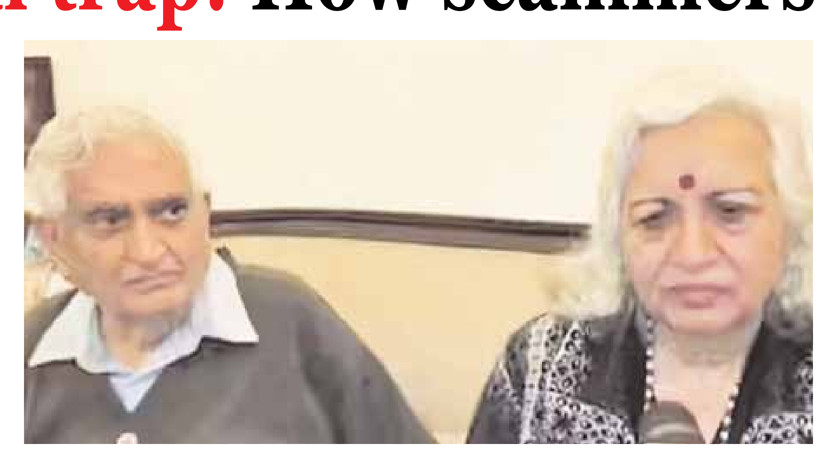

New Delhi, Agency: It starts with an innocuous ring - a WhatsApp video call or a call from what looks like a government number. A voice ID flashes and a person claiming to be from the CBI, TRAI, or the Supreme Court appears on screen. Before you know it, you are told you are under "digital arrest". You are being watched. You cannot hang up. And there is money you must transfer to "prove your innocence".

This chilling form of cyber-financial extortion has surged across India, leaving victims psychologically manipulated, isolated and financially devastated. Despite sounding surreal, this type of scam is very real - and increasingly sophisticated.

What is "Digital Arrest"?

There is no legal concept called "digital arrest" in Indian law. Yet scammers have weaponised this term, making it sound official to unnerve victims.

In these frauds, victims receive calls from "officials", often through video or voice calls. They are told their Aadhaar, PAN, or bank accounts are linked to criminal cases such as money laundering, fake SIM cards, or terrorism. Scammers show forged warrants, fake Supreme Court orders, or badges to lend credibility.

Victims are informed they are "digitally under arrest", must remain on call, and must cooperate or face legal consequences. Most victims transfer money believing it will be refunded after "account verification". Once the money is sent, however, it disappears into a network of mule accounts and fake companies. In many cases, fraudsters rely on psychological manipulation.

Authority illusion: Scammers pose as senior officers from agencies such as the CBI, ED, or TRAI. They often display fake documents or conduct video calls while wearing uniforms or using official-looking backgrounds.

Pressure and fear: By creating urgency - "act now or face arrest" - they induce panic, limiting rational thinking.

Isolation: Victims are instructed not to consult family members, lawyers, or even local police, cutting off advice that could expose the fraud.

Continuous control: Some victims are kept on video calls for hours or days, gradually losing clarity and becoming more compliant.

DCP Datta Nalawade, a senior cybercrime official, once summed it up: "No such practice as digital arrest exists." Yet these scams continue to succeed by exploiting fear and lack of awareness.

Expert insights: Why even the savvy fall for it Cyber psychologists and cybercrime lawyers say fear often overrides logic. When callers appear to possess personal information such as Aadhaar or bank details, panic sets in and even educated individuals act against their better judgement.

Scammers use real data obtained from leaks to construct believable narratives, complete with forged court seals and warrants. Experts stress that genuine law enforcement agencies never conduct investigations or demand money through random phone or video calls, especially under threat. Several cases reported by The Times of India highlight how convincing and devastating these scams can be.